www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 61 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
22 मई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:16
सूर्यास्त: 06:51
अधिकतम: 43°00
न्यूनतम: 29°00

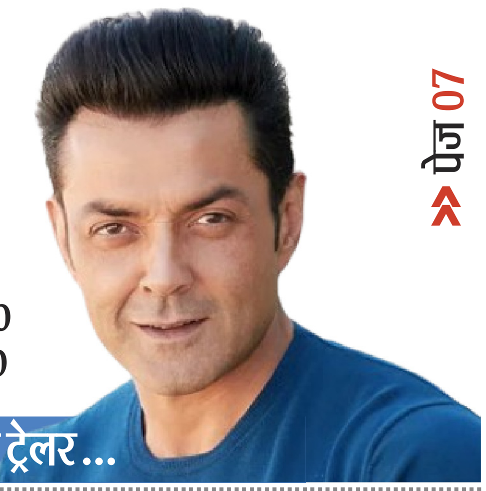

पेज 07

विशेष समाचार | यदि बंगाल में भाजपा सरकार ... >> पेज 04 | करप्शन का चश्मा हटाइए ... >> पेज 06 | बॉबी देओल की 'बंदर' का ट्रेलर ...

28 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स को फायदा, जनवरी-2026 से एरियर मिलेगा

यूपी में महंगाई भत्ता 2% बढ़ाकर 60% किया

तोहफा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने गुरुवार (21 मई) को राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता (DA) 2% बढ़ा दिया। अब 58% की जगह 60% महंगाई भत्ता मिलेगा। प्रदेश में 16 लाख कर्मचारी और 12 लाख पेंशनर्स हैं। यानी, कुल 28 लाख कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा। राज्य वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने बताया कि 1 जनवरी, 2026 से कर्मचारी और पेंशनर्स को 60% महंगाई भत्ते की दर से भुगतान किया जाएगा। कर्मचारियों को 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक का बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एरियर के तौर पर उनके भविष्य निधि (PF) खाते में जमा किया जाएगा। जबकि 1 मई से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जून में मिलने वाले वेतन में दिया जाएगा। वहीं, पेंशनर्स को 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक के बढ़े हुए महंगाई भत्ते का एरियर उनके पेंशन खाते में जमा किया जाएगा। 1 मई से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता जून में मिलने वाली पेंशन के साथ मिलेगा।मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 30,000 है। 58% DA के हिसाब से उसे पहले 17,400 मिलते थे। अब 60% DA के हिसाब से 18,000 मिलेंगे। इस हिसाब से सैलरी में 600 बढ़ेंगे। इसी तरह, जिन वरिष्ठ अधिकारियों की बेसिक सैलरी 1 लाख या उससे ज्यादा है।

16 लाख कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले से करीब 16 लाख सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनर्स को लाभ मिलेगा. बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता महंगाई के बढ़ते दबाव के बीच कर्मचारियों की आय में राहत देने वाला माना जा रहा है.

महंगाई भत्ते की गणना कर्मचारी की बेसिक सैलरी के आधार पर की जाती है। उदाहरण से समझते हैं कि इस 2% की बढ़ोतरी से यूपी सरकार के कर्मचारियों की जेब में कितने रुपए बढ़ेंगे।

58% से बढ़कर 60% हुआ डीए

राज्य सरकार ने महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है. इस नए फैसले के लागू होने के बाद अब कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (DA) 58 फीसदी से बढ़कर सीधे 60 फीसदी हो गया है. यह फैसला केंद्र सरकार के DA बढ़ोतरी आदेश के बाद लिया गया है.

1 जनवरी 2026 से लागू मानी जाएगी बढ़ोतरी

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह DA बढ़ोतरी 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएगी. यानी कर्मचारियों को सिर्फ आगे की सैलरी ही नहीं।

बल्कि पिछले महीनों के एरियर का भी फायदा मिलेगा.जनवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक के चार महीनों का एरियर कर्मचारियों के जनरल प्रोविडेंट फंड (GPF) खाते में जमा किया जाएगा.वहीं मई 2026 से 60 फीसदी DA का नकद भुगतान सीधे सैलरी में जोड़ा जाएगा.

केंद्र सरकार के फैसले के बाद राज्य ने उठाया कदम

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने 22 अप्रैल 2026 को अपने कर्मचारियों के लिए DA में 2 फीसदी बढ़ोतरी का आदेश जारी किया था. इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अपने कर्मचारियों को समान लाभ देने की तैयारी तेज कर दी. बढ़ा हुआ वेतन 1 जनवरी 2025 से दिया गया था।

दूसरी बार अक्टूबर में DA 55% से बढ़ाकर 58% कर दिया गया था। बढ़ा हुआ वेतन 1 जुलाई, 2025 से दिया गया था।

पेंशनर्स को भी मिलेगा फायदा

इस फैसले से पेंशनभोगियों को भी राहत मिलेगी. बढ़ा हुआ DA उनकी मासिक पेंशन में नकद रूप से जोड़ा जाएगा, जिससे उनकी मासिक आय में बढ़ोतरी होगी. महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी कर्मचारियों की बेसिक सैलरी के हिसाब से तय होगी. जिन कर्मचारियों की बेसिक सैलरी अधिक है, उन्हें ज्यादा फायदा मिलेगा. इससे मासिक आय में सीधी बढ़ोतरी होगी और महंगाई से राहत भी मिले।

जून की सैलरी में मिलेगा बढ़ा हुआ पैसा

सरकार की तैयारी है कि मई 2026 के वेतन के साथ बढ़े हुए DA का लाभ दिया जाए. चूंकि मई महीने का वेतन जून की शुरुआत में कर्मचारियों के खातों में आता है, इसलिए जून में मिलने वाली सैलरी में इसका सीधा असर दिखेगा. कर्मचारियों की सैलरी पहले से अधिक होगी. महंगाई भत्ता (DA) सरकारी कर्मचारियों को दिया जाने वाला 'कॉस्ट-ऑफ-लिविंग' एडजस्टमेंट है।

क्या है डीए और यह क्यों जरूरी है?

महंगाई भत्ता (DA) सरकारी कर्मचारियों को दिया जाने वाला 'कॉस्ट-ऑफ-लिविंग' एडजस्टमेंट है। इसका कैलकुलेशन बेसिक पे के प्रतिशत के रूप में किया जाता है। इसका मुख्य मकसद बढ़ती कीमतों के बीच कर्मचारियों की वास्तविक आय की सुरक्षा करना है, ताकि उनकी सैलरी महंगाई के साथ तालमेल बिठा सके।

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। CNN के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है। इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन स्लेजहैमर' नाम दिया जाना था।

नीट पेपर लीक केस में लातूर से डॉक्टर गिरफ्तार

मुख्य आरोपी 'एम सर' स्कूल और कॉलेज खोलने वाला था

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

जयपुर/नई दिल्ली/लातूर/पुणे। NEET पेपर लीक में CBI ने महाराष्ट्र के लातूर से एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि डॉ मनोज शिरुरे ने बेटे के लिए RCC कोचिंग के संचालक और आरोपी शिवराज मोटेगांवकर उर्फ 'एम सर' से गेस पेपर खरीदे थे। सीबीआई ने बुधवार को पुणे में पूछताछ के बाद अरेस्ट कर लिया। जानकारी आज सामने आई है। इस मामले में किसी पेरेंट्स की यह पहली गिरफ्तारी है। NEET पेपर लीक में यह 11वीं गिरफ्तारी है। इससे पहले महाराष्ट्र से 6, राजस्थान से 3 और हरियाणा से एक व्यक्ति को अरेस्ट किया। इनमें 2 महिलाएं भी हैं।

सीबीआई की कार्रवाई के बाद पुणे नगर निगम ने बुधवार को आरोपी शिवराज मोटेगांवकर की आरसीसी कोचिंग क्लासेस को सील कर दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

एअर इंडिया दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

लैंडिंग के दौरान हादसा, दूसरे प्लेन के टेकऑफ के कारण टर्बुलेंस हुआ, सभी यात्री सुरक्षित

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बताया जा रहा है कि रनवे पर वेक टर्बुलेंस पास में उड़ान भर रहे एक वाइड-बॉडी विमान की वजह से पैदा हुई थी। इसके कारण एअर इंडिया फ्लाइट का बैलेंस बिगड़ गया। पायलट को अंदाजा हो गया था कि लैंडिंग में दिक्कत आ सकती है। इसलिए उसने नियमों के तहत 'गो-अराउंड' करने का फैसला लिया।

नई दिल्ली। एअर इंडिया की दिल्ली से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट AI2651 गुरुवार को केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान रनवे से टकरा गई। फ्लाइट का पिछला हिस्सा जमीन से टच हो गया। घटना को एविएशन भाषा में 'टेल स्ट्राइक' कहा जाता है। फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। फ्लाइट में 181 यात्री सवार थे। घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। फ्लाइट को हुए नुकसान को लेकर भी अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है। सूत्रों के अनुसार, एअर इंडिया विमान दूसरे प्लेन के टेकऑफ के कारण 'वेक टर्बुलेंस' की चपेट में आ गया था। इसके बाद पायलट ने लैंडिंग टाल दी और फ्लाइट वापस हवा में ले ली। दोबारा लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। एअर इंडिया विमान को घटना के बाद जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों ने सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। नागरिक उड्डयन नियामक DGCA को भी घटना की जानकारी दी गई है। हालांकि, एयरलाइन की बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली वापसी फ्लाइट AI2652 रद्द कर दी गई है।

फास्ट न्यूज

बंगाल के सभी मदरसों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य कर दिया है। यह आदेश 19 मई को जारी किया गया। जानकारी गुरुवार को सामने आई।

एफएम रेडियो पर संकट, सरकार से राहत की मांग

नई दिल्ली। देश का प्राइवेट FM रेडियो सेक्टर इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। विज्ञापन घट रहे हैं, खर्च बढ़ रहा है और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से रेडियो की कमाई पर असर पड़ रहा है। ऐसे में रेडियो कंपनियां सरकार से नियमों में कुछ बड़े बदलाव चाहती हैं। इंडस्ट्री एक्स्पर्ट्स का कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं मिली तो आने वाले समय में और FM स्टेशन बंद हो सकते हैं। वहीं सही फैसले होने पर सेक्टर में निवेश बढ़ सकता है और नए रोजगार के साथ स्थानीय कंटेंट को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत में प्राइवेट FM रेडियो चैनलों को स्वतंत्र रूप से न्यूज प्रसारण की इजाजत नहीं है।

13 साल की बच्ची की 42 वर्षीय युवक से शादी

इंदौर। इंदौर के रंगवासा क्षेत्र से बाल विवाह का मामला सामने आया है। यहां पारिवारिक रिश्तों के ताने-बाने और सामाजिक दबाव के चलते एक 13 साल की बच्ची की शादी जबरन 42 साल के युवक से करा दी गई। राऊ पुलिस ने बुधवार को दूल्हे, उसके परिजन और बच्ची के दादा-दादी सहित कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होटल के बंद कमरे में मौत का खेल

प्रेमिका मृत मिली, जहर खाकर तड़पता रहा प्रेमी

तमसा संकेत, एजेंसी

अंबेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के शुकुल बाजार स्थित एक होटल के कमरे में गुरुवार को जो मिला, उसने पूरे इलाके को हिला दिया। कमरे के अंदर प्रेमिका अचेत हालत में पड़ी थी। पास में प्रेमी तड़प रहा था। कुछ ही देर बाद पता चला कि युवती की मौत हो चुकी है और युवक ने खुद जहर खा लिया है। सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि कमरे के अंदर आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरी कहानी बदल दी। घटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित वरद होटल की है। हंसवर थाना क्षेत्र के मरोचा गांव निवासी प्रिया और गोकुलपुर निवासी कुलदीप पुत्र लक्ष्मी नारायण होटल पहुंचे थे। दोनों ने होटल में कमरा लिया। होटल कर्मचारियों के मुताबिक शुरुआती समय तक सब सामान्य लग रहा था।

यूपी में 9 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर

आलोक सिंह को नहीं मिली मनपसंद पोस्टिंग, अनुपम कुलश्रेष्ठ कानपुर जोन की नई एडीजी

एडीजी जोन आगरा अनुपम कुलश्रेष्ठ की जगह एसके भगत को आगरा जोन का एडीजी बनाया गया है। एसके भगत अभी तक लखनऊ में अपर पुलिस महानिदेशक अपराध के पद पर तैनात थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को 9 आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। कानपुर जोन के ADG रहे आलोक सिंह को प्रमोशन के बाद पीएसी में DG के पद पर तैनाती दी गई है। उनकी जगह आगरा की ADG जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ को कानपुर जोन का ADG बनाया गया है। वहीं, ADG क्राइम एसके भगत को आगरा का नया ADG जोन बनाया गया है। ADG ट्रैफिक ए. सतीश गणेश को यातायात निदेशालय के साथ ADG क्राइम के पद पर तैनाती दी गई है। आलोक सिंह: 1 मई, 2026 को उन्हें डीजी रैंक में प्रमोशन मिला था।

बीके सिंह: इनको सरकार का करीबी माना जाता है। साइबर क्राइम में रहते हुए उनका प्रमोशन डीजी रैंक में हुआ था।

इसके बाद उन्हें सीआईडी का डीजी बनाया गया और साइबर क्राइम का अतिरिक्त जिम्मा सौंपा गया। नीरा रावत के रिटायरमेंट के बाद खाली हुए 112 की जिम्मेदारी भी अब उन्हीं को दे दी गई है।

ए. सतीश गणेश: 1996 बैच के आईपीएस ए. सतीश गणेश अभी अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा निदेशालय का पदभार संभाल रहे थे। अब उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा निदेशालय के साथ अपर पुलिस महानिदेशक अपराध का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। नए तबादलों में सरकार के पास वरिष्ठ अफसरों में भरोसेमंद अफसरों की कमी साफ दिख रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

विरोध : लिखा- कॉकरोच कभी मरते नहीं, फाउंडर का आरोप- इंटस्टाग्राम हैक करने की कोशिश हुई

कॉकरोच जनता पार्टी ने नया एक्स अकाउंट बनाया, पुराना ब्लॉक

तमसा संकेत, एजेंसी

छह दिन पहले शुरू हुआ डिजिटल संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का गुरुवार को भारत में नया X अकाउंट बन गया है। 'कॉकरोच इज बैक' नाम के इस अकाउंट का टैगलाइन है- कॉकरोच डोंट डाय यानी कॉकरोच मरते नहीं। कॉकरोच जनता पार्टी के पुराने X अकाउंट पर 2.01 लाख फॉलोअर्स थे। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे यह अकाउंट भारत में ब्लॉक कर दिया गया। इसके कुछ देर बाद CJP ने X पर नया अकाउंट बनाया और दोपहर 2:29 बजे पहला पोस्ट किया। एक पोस्ट में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी की गई। नए अकाउंट पर शाम करीब 7 बजे तक 47 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए थे। CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने की कोशिश का भी आरोप लगाया है। CJP के महज 6 दिन में इंस्टाग्राम पर 1.6 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। यह देश की किसी भी पॉलिटिकल पार्टी से ज्यादा है। इंस्टाग्राम पर कांग्रेस के 1.33 करोड़ और BJP के 87 लाख फॉलोअर्स हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी को अभिजीत दीपके ने बनाया है। इसका नारा है- 'सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक, लेजी।'

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ। सीजेपी का एक्स अकाउंट भारत में बैन कर दिया गया है। एक्स के मुताबिक उसने भारत में स्थानीय नियमों, कोर्ट के आदेश या कानूनी शिकायत के आधार पर कार्रवाई की है। 15 मई को सीजेआई सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। इसके एक दिन बाद सीजेपी पार्टी बनाई गई थी।

भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान देश के बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। इसके एक दिन बाद CJP नाम के अकाउंट अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शुरू हुआ था। बाद में CJI ने सफाई देते हुए कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ मेयर के प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार फ्रीज

हाईकोर्ट ने पार्षद को शपथ नहीं दिलाने पर एक्शन लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पार्षद को शपथ नहीं दिलाने पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने गुरुवार को लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल के सभी वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार फ्रीज कर दिए। मामला लखनऊ के वार्ड संख्या-73 फैजुल्लागंज का है। सेशन कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के ललित किशोर तिवारी को पार्षद पद पर निर्वाचित घोषित किया था। इसके 5 महीने बीतने के बाद भी अब तक उन्हें शपथ नहीं दिलाई गई। हाईकोर्ट ने आज साफ कहा कि जब तक सपा पार्षद को शपथ नहीं दिलाई जाती, तब तक मेयर के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार फ्रीज रहेंगे। उनका सारा काम डीएम और नगर आयुक्त देखेंगे। लखनऊ नगरीय निकाय चुनाव-2023 के दौरान भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार शुक्ला उर्फ टिंकू शुक्ला और सपा प्रत्याशी ललित तिवारी के बीच सीधा मुकाबला हुआ था। मतगणना में प्रदीप कुमार शुक्ला को 4,972 और ललित तिवारी को 3,298 वोट मिले थे। इस आधार पर प्रदीप कुमार शुक्ला को निर्वाचित घोषित कर दिया गया था। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सपा प्रत्याशी ललित तिवारी ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

महराजगंज में एक-एक किलोमीटर की लाइनें, पंपों पर ट्रैक्टर-ट्रालियों में गुजर रहीं रातें

यूपी में पेट्रोल और डीजल की किल्लत तीसरे दिन बरकरार

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज। यूपी के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल की किल्लत तीसरे दिन भी बरकरार है। गुरुवार को भी कुशीनगर, सोनभद्र, महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया और बस्ती समेत कई जिलों के पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी कतारें लगी हैं। कई पंप ड्राई हो चुके हैं और वहां 'पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं है' के बोर्ड लगा दिए गए हैं। महाराजगंज में महज 18-20 पेट्रोल पंपों पर ही ईंधन मिल रहा है। अधिकतर पंपों ने स्टॉक खत्म होने का बोर्ड लगा दिया है। जिले में करीब 149 पेट्रोल पंप हैं। बुधवार देर रात भी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें पंपों पर देखने को मिलीं।

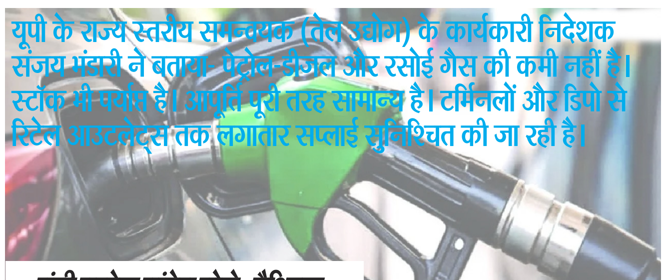

यूपी के राज्य स्तरीय समन्वयक (तेल उद्योग) के कार्यकारी निदेशक संजय भंडारी ने बताया- पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कमी नहीं है। स्टॉक भी पर्याप्त है। आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। टर्मिनलों और डिपो से रिटेल आउटलेट्स तक लगातार सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है।

मंत्री मनोज पांडेय बोले- वैश्विक संकट के बीच राहुल 100 गाड़ियों का काफिला लेकर चल रहे

खाद्य एवं रसद नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज पांडेय ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। लेकिन, लोग जरूरत भर ही ईंधन खरीदें। उन्होंनें कहा- पेट्रोल-डीजल का वैश्विक संकट चल रहा है। इसके बावजूद राहुल गांधी रायबरेली में 100 गाड़ियों का काफिला लेकर चल रहे हैं।

रातभर लाइनें, गाड़ियां में गुजर रही रातें

नौतनवा, निचलौल, फरेंदा और जिला मुख्यालय समेत कई इलाकों के पेट्रोल पंपों पर डीजल पहुंचते ही लंबी कतारें लग जा रही हैं। किसान ट्रैक्टर, बाइक, गैलन और ड्रम लेकर देर रात से ही लाइन में खड़े हो रहे हैं।

कई किसान चादर, पानी की बोतल और मच्छरदानी लेकर पूरी रात पंपों पर इंतजार करते नजर आए। कुछ लोग अपने वाहनों में ही रात गुजारने को मजबूर हैं।

इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप परतावल पर सुबह से लाइनें लगी हैं।

खरीफ फसल को लेकर किसान चिंतित

डीजल नहीं मिलने की वजह से किसान खरीफ की फसल को लेकर चिंतित हैं। महराजगंज के किसानों का कहना है- बारिश के बाद खेतों की जुताई और धान की नर्सरी तैयार करने में जुटे थे, लेकिन डीजल की कमी ने उनकी रफ्तार रोक दी है। डीजल न मिलने से न तो खेतों की जुताई हो पा रही है और ना ही दूसरे कामकाज।

देवरिया में 100 से अधिक पेट्रोल पंप हुए ड्राई

देवरिया में 100 से अधिक पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण इलाकों में डीजल और पेट्रोल के लिए लोग लाइन लगाए हुए हैं। सीसीरोड, सिविल लाइन रोड, पुरवां, हाटा रोड, सलेमपुर , भाटपाररानी सहित कई क्षेत्रों में पंप नो स्टॉक का बोर्ड लगा दिए हैं। किसान खरीफ की बुवाई को लेकर परेशान हैं।

कस्टम ड्यूटी बढ़ाने से नहीं रुकेगा सोने का आयात

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन ने भारतीय आभूषण उद्योग के संरक्षण और सोने के आयात को संतुलित करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। एसोसिएशन ने इसमें आभूषण उद्योग से जुड़े कारीगरों और छोटे व्यापारियों की समस्याओं को उठाते हुए कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुझाव दिए हैं। जिलाध्यक्ष राजकुमार सोनी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि देश के लाखों कारीगरों और छोटे व्यापारियों की आजीविका बचाने के लिए सरकार को जल्द ठोस कदम उठाने चाहिए। एसोसिएशन का कहना है कि सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाने के बावजूद आयात में कोई विशेष कमी नहीं आई है। उल्टा, इससे तस्करी और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। संगठन ने कहा कि केवल ड्यूटी बढ़ाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता।

सुल्तानपुर मंडी में दुकान में लगी आग

आढ़ती का 25 हजार का सामान जला

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर की अमहट मंडी में सफाई व्यवस्था की लापरवाही के कारण एक दुकान में आग लग गई। इस घटना में एक आढ़ती का हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया, जिससे उसे भारी नुकसान हुआ है। आग कूड़े के ढेर से फैलकर दुकान तक पहुंची। जानकारी के अनुसार, अमहट मंडी में पहले सफाई कर्मचारी नियमित रूप से कूड़ा इकट्ठा कर जलाते थे। हालांकि, हाल के दिनों में यह प्रथा बंद कर दी गई थी। इसी अनदेखी के कारण कूड़े के एक ढेर में आग लग गई, जो पास स्थित 'सुनील एंड संस' नामक दुकान तक फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग पर काबू पाया। आग से दुकान में रखा इलेक्ट्रॉनिक कांटा, कई बोरा आलू

और टमाटर जल गए। इस घटना में व्यापारी को 25 हजार रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। मंडी में सफाई ठेकेदार और मंडी समिति की लापरवाही को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। व्यापारियों का आरोप है कि मंडी परिसर में कूड़े के ढेर लगातार बढ़ते जा रहे थे, लेकिन प्रशासन और ठेकेदार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। प्रभावित व्यापारी ने बताया कि उन्होंने कई बार सफाई कर्मचारियों और मंडी समिति के पंकज बाबू से कूड़ा इकट्ठा कर जलाने की शिकायत की थी।

फास्ट न्यूज

15 करोड़ की जमीन पर बवाल

अयोध्या। अयोध्या में साध्वी ममता शास्त्री पर हमले की कोशिश की गई। आरोप है कि साधु के वेश में 25-30 हमलावर उनके आश्रम में पहुंचे। लाठी-डंडे और फरसे से उन पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की। विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज भी की गई। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद साध्वी ने पुलिस को सूचना दी। साध्वी का कहना है।

बिजनौर के किशोर का कश्मीर में धर्म परिवर्तन

बिजनौर। यूपी के बिजनौर के रहने वाले 16 वर्षीय नाबालिग का जम्मू-कश्मीर में धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। किशोर गांव के ही रहने वाले युवक के साथ 3 साल पहले हेयर कटिंग का काम सीखने कश्मीर गया था। 15 मई को उसने कश्मीर में ही इस्लाम धर्म अपना लिया। इंस्टाग्राम पर वीडियो देखकर परिजनों को जानकारी हुई तो उन्होंने बेटे से बात की। बेटे ने कहा- मैंने अपनी इच्छा से धर्म बदला है। अब मेरा नाम हमजा है। मैं आप लोगों से बहुत दूर जा रहा हूं। पिता ने एसपी से लिखित शिकायत की।

दो सूने घरों से लाखों की चोरी

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव में देर रात चोरी की बड़ी वारदात हुई। अज्ञात चोरों ने दो बंद घरों को निशाना बनाया और लाखों रुपये के जेवर तथा नकदी लेकर फरार हो गए। गांव निवासी रितेश और सुरेश पाल अपने परिवार के साथ गांव में आयोजित भागवत कथा कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। इसी दौरान देर रात अज्ञात चोर सीढ़ियों के रास्ते घर में घुसे।

शंकराचार्य की गो रक्षार्थ यात्रा पहुंची अमेठी

योगी सरकार पर साधा निशाना, गौशाला का शिलान्यास भी किया

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी जिला। ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गो रक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा आज अमेठी पहुंची। उन्होंने गौरीगंज के रघुपुर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रामा गोधाम गौशाला का शिलान्यास किया। इस गौशाला में 108 देशी नस्ल की गायें रखी जाएंगी। इसके साथ ही, शंकराचार्य ने दयालापुर गांव में 108 फीट धर्म ध्वजा का लोकार्पण भी किया। पत्रकारों से बातचीत में शंकराचार्य ने योगी सरकार पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में गौ रक्षक प्रताड़ित किए जा रहे हैं। उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदू पार्टी और गोरखपीठ के पीठाधीश्वर होने के बावजूद योगी सरकार में गायों की दुर्दशा चिंता का विषय है, जिसके

कारण वे इस यात्रा पर निकले हैं। शंकराचार्य ने बताया कि गौ रक्षा आंदोलन के तहत मार्च में शंखनाद किया गया था, जिसके बाद 3 मई को गोरखपुर से गौ रक्षा यात्रा शुरू हुई। यह यात्रा 20 दिनों में विभिन्न विधानसभाओं का भ्रमण करते हुए अमेठी पहुंची, जहां पादुका पूजन और धर्म ध्वज पूजन किया गया। उन्होंने इस दौरान कहा कि सनातन धर्म की जड़ें गौ माता में हैं, और गौ माता को काटना सनातन धर्म की जड़ को काटने जैसा है। उन्होंने रघुपुर में बन रही गौशाला के बारे में जानकारी दी।

3500 से अधिक महिलाएं अतिथि होंगी, परकोटे के बाहर शाम को होगा आयोजन

29 को साध्वी ऋतंभरा के हाथों होगा दुर्गा मंदिर ध्वजारोहण

- अयोध्या का भव्य श्रीराम मंदिर करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।
- साध्वी ऋतंभरा राममंदिर आंदोलन की प्रखर वक्ता रही हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या के भव्य श्रीरामजन्मभूमि परिसर के परकोटे में निर्मित मां दुर्गा मंदिर पर धर्म ध्वजा का आरोहण 29 मई को साध्वी ऋतंभरा के हाथों प्रस्तावित है। साध्वी राममंदिर आंदोलन की प्रखर वक्ता रही हैं। वे देश के प्रमुख धर्माचार्यों के रूप में सम्मानित हैं।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस आयोजन को मातृशक्ति के नाम समर्पित किया है। इसी कारण साध्वी ऋतंभरा के अलावा 3500 से अधिक महिलाओं को ही आमंत्रित किया गया है। इनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, दुर्गा वाहिनी, मातृशक्ति और भाजपा सहित अन्य महिला संगठनों की बड़ी पदाधिकारी शामिल हैं। ट्रस्ट ने फतेहपुर की सांसद व राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति, विहिप की केंद्रीय मंत्री व मातृ शक्ति की अखिल भारतीय संयोजिका मीनाक्षी ताई पिश्वे, दुर्गा वाहिनी की राष्ट्रीय संयोजिका प्रज्ञा महाला, राष्ट्रीय सह संयोजिका पिंकी पवार, प्रांतीय संयोजिका अवनी राजपूत, मातृशक्ति की प्रांतीय संयोजिका सीमा जादौन व सरिता यादव जैसी कई बड़ी महिला पदाधिकारियों को आमंत्रित कर विशिष्ट अतिथि बनाया है। रामजन्मभूमि परिसर के परकोटे में अलग-अलग कोण पर निर्मित पांच पूरक मंदिरों (मां अन्नपूर्णा, सूर्य, हनुमान, गणेश व शिव) का ध्वजारोहण भिन्न-भिन्न तिथियों पर संपन्न हो चुका है।

आयोजन स्थल पर 4 हजार से अधिक कुर्सियां बिछाई जाएंगी

आयोजन शाम छह बजे से मां दुर्गा मंदिर के सामने परकोटे के बाहर उत्तर दिशा में होगा। अतिथियों को प्रवेश शाम पांच बजे से मिलेगा। आयोजन स्थल पर 4 हजार से अधिक कुर्सियां बिछाई जाएंगी। ध्वजारोहण के बाद सभी अतिथियों को रामलला व राम परिवार का दर्शन भी कराया जाएगा।

आमंत्रण पत्र भेजने का कार्य लगभग पूरा

राम मंदिर के व्यवस्थापक व विहिप पदाधिकारी गोपाल राव ने बताया कि आमंत्रण पत्र भेजने का कार्य लगभग पूरा हो गया है। सभी अतिथियों को प्रवेश पास जारी किया जाएगा, जिसे दिखा कर शाम पांच बजे से प्रवेश मिल सकेगा। किसी भी अतिथि को अस्त्र-शस्त्र या अंगरक्षक ले जाने की अनुमति नहीं होगी। ध्वजारोहण के दौरान दर्शन बाधित नहीं रहेगा। आमंत्रित की जा रहीं महिलाओं में परिसर में कार्यरत सुरक्षा एजेंसियों (पुलिस, पीएसी, एफ, एलआइयू आदि), राम मंदिर ट्रस्ट और कार्यदायी एजेंसियों (एलएंडटी, टीसीई, यूपीआरएनएन, ईआइएल व अन्य) की अधिकारी व कर्मी भी शामिल हैं।

टिकैतनगर में जबरन धर्म परिवर्तन, निकाह का दबाव

बाराबंकी में पीड़िता ने सीएम योगी से न्याय, सुरक्षा की गुहार लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जनपद के टिकैतनगर थाना क्षेत्र में जबरन धर्म परिवर्तन और निकाह का दबाव बनाने का एक मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने इस संवेदनशील मामले में सख्त कार्रवाई करने के बजाय केवल शांतिभंग (धारा 151) की कार्रवाई की। पुलिस के इस रवैये से असंतुष्ट होकर पीड़िता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डीजीपी और पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। कस्बा इचौली निवासी दिव्यांशी गुप्ता पत्नी सुनील गुप्ता ने आरोप लगाया है कि मोहल्ले का मोहम्मद अमन काफी

समय से उन पर धर्म परिवर्तन और निकाह का दबाव बना रहा था। पीड़िता आरोपी के यहां कपड़े सिलाई करने जाती थी, इसी दौरान उसने मोबाइल नंबर लेकर परेशान करना शुरू किया। पीड़िता ने बताया कि एक दिन आरोपी ने उन्हें, उनके पति और सास को एक कमरे में बुलाया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। कमरे में पहले से ही एक मौलवी और कुछ अन्य लोग निकाह की तैयारी के साथ मौजूद थे। वहां पीड़ित परिवार को जबरन मांस खिलाने की कोशिश की गई और कहा गया कि "मांस खिला दो और निकाह करा दो।" कमरे के भीतर मचे शोर को सुनकर पीड़िता के परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा पीटना शुरू किया, जिसके बाद आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए। भीड़ बढ़ती देख आरोपियों ने दरवाजा खोला और पीड़ित परिवार किसी तरह वहां से निकल पाया। स्थानीय पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न किए जाने से असंतुष्ट पीड़िता ने अब मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत

बिजनौर। बिजनौर के नांगल क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान हरिद्वार के श्यामपुर निवासी 36 वर्षीय अमित पुत्र धर्मपाल सिंह के रूप में हुई है। अमित अपनी बाइक पर सवार होकर हरिद्वार स्थित अपने घर से सिसौत्रा गांव में अपनी ससुराल जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि जब अमित नांगल के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अमित को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, अमित मजदूरी का काम करते थे। उनकी शादी को 13 साल हो चुके थे, लेकिन उनकी कोई संतान नहीं थी।

एक्सीडेंट में युवक की मौत

बाइक से जा रहा था, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

बीकापुर (अयोध्या), अयोध्या। अयोध्या के पुराकलंदर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। टक्कर लगते ही दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर पहुंचाया गया। वहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. संत कुमार मौर्य ने जांच के बाद सोनू प्रजापति को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल अमन की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल

रेफर कर दिया गया। मृतक सोनू प्रजापति दो भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था। उसकी बड़ी बहन सबसे बड़ी है। सोनू अविवाहित था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना मेमो के जरिए कोतवाली पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी अमरेंद्र बहादुर सिंह ने पुलिस टीम को मौके पर भेजा पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

> जानकारी के अनुसार पुराकलंदर थाना क्षेत्र के मित्रसेनपुर पोस्ट अलावलपुर निवासी 20 वर्षीय सोनू प्रजापति अपने दोस्त 19 वर्षीय अमन निवासी अकवारा के साथ गुरुवार तड़के नंदीग्राम भरतकुंड जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

हुमायूं बेग ने कहा- युवाओं को राजीव गांधी के विचारों और दूरदर्शी सोच से प्रेरणा लेनी चाहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। बिजनौर में कांग्रेस पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस कार्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हुमायूं बेग की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी के देश के प्रति योगदान को याद किया। उन्होंने राजीव गांधी की युवा सोच, तकनीकी विकास को बढ़ावा देने और भारत को आधुनिक दिशा प्रदान करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसियों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का

संकल्प लिया शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हुमायूँ बेग ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश को आधुनिक भारत की नई दिशा दी। उन्होंने युवाओं को तकनीक, शिक्षा और विकास से जोड़कर देश को 21वीं सदी की ओर अग्रसर किया। हुमायूं बेग ने कहा कि आज के युवाओं को राजीव गांधी के विचारों और उनकी दूरदर्शी सोच से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे देश एवं समाज की सेवा के लिए आगे आएं और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जुड़ें, जो देश को जोड़ने और लोकतंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है। उन्होंने युवाओं से कांग्रेस की सदस्यता लेकर संगठन से जुड़ने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है और कांग्रेस के साथ जुड़कर ही युवा सामाजिक, राजनीतिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन शहर कांग्रेस कमेटी बिजनौर के महासचिव मौ. हनीफ़ ने किया। इस दौरान पूर्व जिला उपाध्यक्ष नज़ाकत अल्वी की माता मुनीजा के हाल ही में हुए निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

अफरा-तफरी : जगह-जगह जल रहीं एबी केबलें, हनुमानगढ़ी में श्रद्धालुओं के लिए लगाया गया टेंट

नौतपा से पहले ही रामनगरी की बिजली व्यवस्था ठप

- अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगाए गए टेंट।

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में नौतपा शुरू होने से पहले ही बिजली व्यवस्था लड़खड़ाने लगी है। भीषण गर्मी और बढ़ते लोड के चलते विद्युत उपकरण लगातार जवाब दे रहे हैं। कहीं एबी केबल में आग लग रही है तो कहीं कंडक्टर दग रहे हैं। बुधवार को रामपथ स्थित कनक रेस्टोरेंट के पास पोल पर लटक रही एबी केबल अचानक धू-धू कर जलने लगी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। नियावां रोड पर दोपहर करीब

ढाई बजे केबल में आग लगने से लोगों में खलबली मच गई। सूचना मिलते ही नियावां विद्युत उपकेंद्र से सप्लाई बंद करनी पड़ी। जेई पवन कुमार ने बताया कि आग की सूचना पर नियावां फीडर बंद किया गया, जिससे कुछ देर बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। बुधवार शाम 11 केवी नियावां फीडर का शटडाउन हो गया।

> अधीक्षण अभियंता विनय कुमार ने बताया कि शिकायत मिलते ही गैंग को मौके पर भेजकर समाधान कराया जा रहा है। भीषण गर्मी में विद्युत कर्मी जोखिम उठाकर व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटे हैं।

श्रद्धालुओं को राहत देने के लिए हनुमानगढ़ी पर लगा टेंट

भीषण गर्मी को देखते हुए हनुमानगढ़ी पर श्रद्धालुओं के लिए नगर निगम ने टेंट लगवाया है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए 216 फीट लंबा और 18 फीट चौड़ा टेंट लगाया गया है, जिससे दर्शन-पूजन के लिए आने वाले लोगों को धूप से राहत मिल सके। इसके अलावा अयोध्या नगर में लगातार स्प्रिंकलर मशीनों से पानी का छिड़काव भी कराया जा रहा है, ताकि गर्मी के असर को कम किया जा सके।

5496 में से 4670 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, सुक्षा व्यवस्था रही मजबूत

लेखपाल भर्ती परीक्षा में प्रशासन अलर्ट, डीएम ने केंद्रों पर पहुंचकर परखी व्यवस्थाएं

संपन्न

बृजेंद्र वीर सिंह

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित लेखपाल भर्ती परीक्षा गुरुवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को निष्पक्ष, नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने परीक्षा के दौरान राजकीय इंटर कॉलेज अकबरपुर और राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अकबरपुर सहित कई केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा कक्षों की निगरानी और अभ्यर्थियों के प्रवेश संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।परीक्षा के दौरान जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आया। सभी केंद्रों पर समय से परीक्षा शुरू कराई गई और आयोग की गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित कराया गया।प्रशासन की ओर से परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगने देने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए थे। परीक्षा समाप्त होने तक अधिकारियों की निगरानी जारी रही। लेखपाल भर्ती परीक्षा को लेकर जिले में पूरे दिन प्रशासनिक सतर्कता बनी रही। अधिकारियों का दावा है कि सभी केंद्रों पर परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी माहौल में सफलतापू-

5496 में से 4670 अभ्यर्थी हुए शामिल

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्सना बंधु ने बताया कि जिले के सभी 14 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि कुल 5496 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 4670 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 826 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि परीक्षा को व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए नामित मजिस्ट्रेट लगातार केंद्रों का भ्रमण करते रहे। सभी केंद्रों की सतत निगरानी की गई, जिससे परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति नहीं बनी।

सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर रहा विशेष फोकस

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों और अधिकारियों को आयोग की गाइड-लाइन के अनुसार परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की गहन जांच की गई। केंद्रों के भीतर निगरानी व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधि-कारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहीं। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ट्रांसएशिया एरबा का लाइव डेमो, अंबेडकरनगर में दिखी आधुनिक पैथोलॉजी तकनीक

होटल में आयोजित हुआ तकनीकी प्रदर्शन, 60 से अधिक विशेषज्ञ रहे मौजूद

होटल में आयोजित हुआ तकनीकी प्रदर्शन, 60 से अधिक विशेषज्ञ रहे मौजूद।

तमसा संकेत, संवाददाता

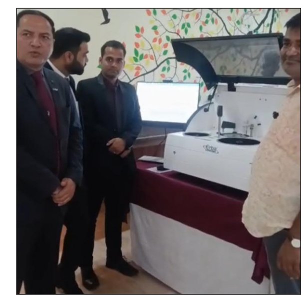

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में देश की प्रमुख डायग्नोस्टिक कंपनी ट्रांसएशिया एरबा की ओर से गुरुवार को आधुनिक पैथोलॉजी उपकरणों का लाइव डेमो आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शहर के एक निजी होटल में हुआ, जिसमें जिले और आसपास के क्षेत्रों से 60 से अधिक डॉक्टर और पैथोलॉजी विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य नई डायग्नोस्टिक तकनीकों को चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों के सामने प्रस्तुत करना और उनकी कार्यप्रणाली को लाइव रूप में समझाना था। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के तकनीकी विशेषज्ञों ने पैथोलॉजी उपकरणों का सजीव प्रदर्शन किया। डॉक्टरों को बताया गया कि किस तरह नई मशीनें जांच प्रक्रिया को तेज, सटीक और विश्वसनीय बना सकती हैं। विशेषज्ञों ने मशीनों की कार्यप्रणाली, रिपोर्टिंग सिस्टम और लैब ऑटोमेशन से जुड़े पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। डॉक्टरों ने भी विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर सवाल पूछे और सिस्टम को करीब से समझा। उपस्थित चिकित्सकों और पैथोलॉजिस्टों ने मशीनों की सटीकता और तेज रिपोर्टिंग क्षमता में विशेष रुचि दिखाई। कई विशेषज्ञों ने कहा कि इस तरह की तकनीकें डायग्नोस्टिक सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर कर सकती हैं कार्यक्रम में यह भी चर्चा हुई कि आधुनिक उपकरणों के उपयोग से लैब संचालन अधिक व्यवस्थित और प्रभावी हो सकता है। इस आयोजन में ट्रांसएशिया टीम के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इनमें ज़ोनल मैनेजर धर्मेंद्र पांडे, रीजनल मैनेजर धीरेंद्र सिंह, एरिया मैनेजर रोहित, सर्विस रीजनल मैनेजर शमशेर चंद के साथ रजत और अशोक शामिल रहे। अधिकारियों ने डॉक्टरों के साथ सीधे संवाद किया और मशीनों की तकनीकी विशेषताओं को सरल भाषा में समझाया। इसके साथ ही लैब संचालन में इनके उपयोग और लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में बताया गया कि बदलते समय में डायग्नोस्टिक क्षेत्र में तकनीकी सुधार तेजी से हो रहे हैं। नई मशीनें कम समय में अधिक सटीक परिणाम देने में सक्षम हैं।

फास्ट न्यूज

निलंबन और तबादले के बाद भी टांडा तहसील में दिख रही सक्रियता

अम्बेडकरनगर। अम्बेड-करनगर के टांडा तहसील क्षेत्र में आसोपुर स्थित सुमित्रा पेट्रोल पंप से जुड़े कथित जमीन कब्जा प्रकरण को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। मंडी समिति की जमीन पर अवैध कब्जे के आरोपों के बाद हुई प्रशासनिक कार्रवाई और निलंबन के बावजूद क्षेत्रीय लेखपाल विकास गौड़ की टांडा तहसील में लगातार मौजूदगी सवालों के घेरे में है।

परिवार परामर्श केंद्र में सुलझे दो पारिवारिक विवाद

अम्बेडकरनगर में मिशन शक्ति अभियान के तहत परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दो पारिवारिक विवादों का सफल निस्तारण किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र लगातार पारिवारिक मामलों को बातचीत और काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाने का प्रयास कर रहा है। बुधवार को केंद्र में प्राप्त दो प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई की गई। इस दौरान संबंधित दंपत्तियों और उनके परिवार के लोगों को बुलाकर काउंसलिंग कराई गई। बातचीत में सामने आया कि दोनों दंपत्ति लंबे समय से आपसी मनमुटाव के कारण अलग रह रहे थे।

पुलिस कार्यालय में एसपी ने सुनीं लोगों की शिकायतें

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरन-गर में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने गुरुवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें पुलिस अधीक्षक के सामने रखीं। अधिकारियों को मामलों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरती जाए।

बकरीद से पहले सम्मनपुर पुलिस की कार्रवाई

गोवध मामलों से जुड़े तीन लोग हिरासत में

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर के सम्मनपुर थाना क्षेत्र में बकरीद को लेकर पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। गोवध और पशु क्रूरता से जुड़े मामलों में पूर्व में संलिप्त रहे तीन लोगों को पुलिस ने शांति भंग की आशंका में हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, आगामी त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी संभावित विवाद को रोकने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार दोपहर करीब 2:30 बजे कार्रवाई की गई हिरासत में लिए गए लोगों में सिकन्दरपुर निवासी मो. इसरार, जैनापुर निवासी जावेद उर्फ राजू और महमूदपुर निवासी नशीम अहमद शामिल हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोग पहले भी गोवध और पशु क्रूरता से जुड़े मामलों में नामजद रह चुके हैं। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि अग्रिम विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए तीनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। क्षेत्र में पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है और संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का अभियान तेज

मरैला फीडर पर बिजली संकट गहराया, भीषण गर्मी में घंटों कटौती से लोग बेहाल

फॉल्ट और लो-वोल्टेज की समस्या बढ़ी, ग्रामीणों ने विभाग से लगाई राहत की गुहार

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर के मरैला फीडर क्षेत्र में इन दिनों बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली कटौती और बार-बार फॉल्ट आने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। क्षेत्र के गांवों और मोहल्लों में कई-कई घंटे बिजली गुल रहने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत करने के बाद भी फॉल्ट सुधारने में देरी हो रही है। कई लोगों ने बताया कि रात में बिजली जाने के बाद लंबे समय तक आपूर्ति बहाल नहीं हो पाती। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पिछले वर्ष गर्मी के मौसम में बिजली व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर थी और फॉल्ट आने पर तत्काल कार्रवाई होती थी। इस बार हालात ज्यादा खराब दिखाई दे रहे हैं।

> स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से बिजली आपूर्ति की स्थिति लगातार खराब हुई है। फॉल्ट आने के बाद उसे ठीक करने में भी काफी समय लग रहा है। रात के समय भी लोगों को नियमित बिजली नहीं मिल पा रही है, जिससे गर्मी में राहत नहीं मिल रही।

पेयजल और पढ़ाई पर पड़ा असर

बिजली संकट का असर अब लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है। बिजली न रहने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। मोटर और पंप न चल पाने के कारण कई इलाकों में पानी की दिक्कत बढ़ गई है।

विभागीय अधिकारियों से कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के लोगों ने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मरैला फीडर की व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि पुरानी लाइनों की मरम्मत, पर्याप्त स्टाफ की तैनाती और फॉल्ट पर त्वरित कार्रवाई की जरूरत है।

विशेष लोक अदालत को लेकर जिला न्यायालय में बैठक

'समाधान समारोह' के तहत 21 से 23 अगस्त तक आयोजित होगी विशेष लोक अदालत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्यस्थता केंद्र में लंबित मामलों को सुलह-समझौते के आधार पर अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित कराने पर चर्चा हुई। जिला विधिक service प्राधिकरण की सचिव नीलम वर्मा ने अधिवक्ता मध्यस्थों के साथ बैठक कर विशेष लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता केंद्र में आने वाले मामलों में पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार "समाधान समारोह" के तहत 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत 21 अप्रैल 2026 से पूरे देश में की गई है। इस विशेष लोक अदालत में आपसी सहमति के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाएगा। खासतौर पर ऐसे मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो लंबे समय से लंबित हैं। अधिकारियों का कहना है कि मध्यस्थता के जरिए विवादों का समाधान होने से पक्षकारों का समय और खर्च दोनों बचेंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने मामलों के समाधान के लिए जल्द आवेदन करें। सहायता और जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 05278-246847 जारी किया गया है।

2026-27 के लिए 89 करोड़ से अधिक का बजट पारित, कई विकास प्रस्तावों को मिली मंजूरी

अकबरपुर नगर पालिका की बजट बैठक सम्पन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर के नगर पालिका परिषद अकबरपुर में गुरुवार को बजट बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश वर्मा ने की। बैठक नगर पालिका सभागार में सम्पन्न हुई, जिसमें बोर्ड के सदस्य, नामित सदस्य और अधिकारी मौजूद रहे बैठक का संचालन प्रधान लिपिक अनूप कुमार ने किया। शुरुआत में शासन द्वारा नामित सदस्य बजरंगी पाठक को अध्यक्ष द्वारा शपथ दिलाई गई। इसके बाद बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ी। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के वास्तविक आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। इसके तहत लगभग 60.59 करोड़ रुपये की आय और 47.75 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमोदन सर्वसम्मति से किया गया। अधिकारियों ने वित्तीय स्थिति को बोर्ड के समक्ष रखा, जिसके बाद सदस्यों ने इसे स्वीकृति दी। बैठक में नगर के विकास कार्यों पर विशेष जोर दिया गया। बरसात से पहले नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था सुधार, सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया।इसके साथ ही नगर क्षेत्र के लिए एक शव वाहन और पांच बॉडी बैग/मोर्चरी बैग खरीदने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पास किया गया।

बैठक में शासन की ओर से संचालित 'नवयुग पालिका योजना' के दिशा-निर्देशों पर भी चर्चा हुई। इस योजना से जुड़े प्रस्ताव भेजने पर सहमति बनी।सभासदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याएं और विकास संबंधी प्रस्ताव रखे, जिन पर विचार कर उन्हें बजट में शामिल करने का आश्वासन दिया गया।

2026-27 के लिए 89 करोड़ से अधिक का बजट पारित

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित बजट पर चर्चा हुई। इसमें करीब 62.39 करोड़ रुपये की अनुमानित आय तय की गई। पिछले वर्ष की बची हुई राशि को मिलाकर कुल आय लगभग 89.54 करोड़ रुपये मानी गई।इसके मुकाबले लगभग 89.45 करोड़ रुपये के व्यय का प्रस्ताव रखा गया।

अध्यक्ष ने विकास पर दिया जोर

नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश वर्मा ने कहा कि यह बजट नगर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि सभासदों के सुझावों को गंभीरता से लिया गया है और प्राथमिकता के आधार पर कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक का समापन सभी सदस्यों के आभार ज्ञापन के साथ किया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 25 वर्षीय युवक की मौत

सैदपुर भितरी के पास देर रात हुआ हादसा, अस्पताल में घोषित किया गया मृत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर के मालीपुर थाना क्षेत्र में देर रात हुए सड़क हादसे में एक 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना सैदपुर भितरी के पास अकबरपुर–मालीपुर मार्ग पर हुई, जहां अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी।मृतक की पहचान हरपालपुर निवासी हरपाल पुत्र ब्रह्मदीन के रूप में हुई है। हादसा रात करीब 11 बजे के आसपास बताया गया है। जानकारी के अनुसार, हरपाल अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह सैदपुर भितरी स्थित जेपी फिलिंग स्टेशन के पास पहुंचे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी।अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद हरपाल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद इलाके में शोक का माहौल फैल गया। मालीपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्या ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के लिए जांच की जा रही है। आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि वाहन का पता लगाया जा सके।

अकबरपुर में टूटा पड़ा बिजली तार का अर्थिंग, हादसे की आशंका से दहशत

एक सप्ताह से समस्या बरकरार, शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकर-नगर के अकबरपुर क्षेत्र में अमृत भोग स्वीट्स के पास उसरहवा गली में बिजली तार का अर्थिंग टूटने से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। लोगों का कहना है कि करीब एक सप्ताह से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन शिकायत के बावजूद अब तक मरम्मत नहीं कराई गई।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, टूटे हुए अर्थिंग तार की वजह से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। गली से दिनभर लोगों का आना-जाना लगा रहता है। आसपास दुकानें और रिहायशी मकान होने के कारण लोगों में लगातार चिंता बनी हुई है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग के अधिकारियों को कई बार समस्या की जानकारी दी गई। इसके बावजूद अब तक कोई कर्मचारी मौके पर मरम्मत के लिए नहीं पहुंचा।

लोगों ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी और लगातार बिजली संबंधी दिक्कतों के बीच विभाग की लापरवाही खतरा बढ़ा रही है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्थिति ज्यादा जोखिम भरी बताई जा रही है।

स्थानीय नागरिकों ने जल्द से जल्द अर्थिंग तार ठीक कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है।

क्षेत्र के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि विभाग ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से की जाएगी। फिलहाल, लोग डर के बीच आवाजाही करने को मजबूर हैं और बिजली विभाग की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

कार्यक्रम : संगठित होकर अधिकारों की लड़ाई का संकल्प, जन शिक्षण केंद्र के तहत ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी

महिला सशक्तिकरण पर बीएजी बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर के विकासखंड जलालपुर में जन शिक्षण केंद्र की ओर से ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत ब्लॉक एक्शन ग्रुप (BAG) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत महिलाओं के उत्साहवर्धक नारों के साथ हुई, जिसमें सामाजिक बदलाव और जागरूकता का संदेश दिया गया। बैठक के अंत में सभी प्रतिभागी महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में रेखा, फूलमती, सरोज, गीता, उर्मिला, लखराजी, हीरावती सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।बैठक को ग्रामीण स्तर पर महिलाओं की भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। जिससे वे अपनी समस्याओं को प्रभावी ढंग से नहीं रख पाती थीं। नारी संघ के गठन से महिलाओं को एक साझा मंच मिला है, जहां वे अपनी बात मजबूती से रख सकती हैं।

नेतृत्व क्षमता और सामाजिक भागीदारी पर चर्चा

कार्यक्रम में महिलाओं को नेतृत्व क्षमता, समूह संचालन और सामाजिक भागीदारी के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।पुष्पा पाल ने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो परिवार मजबूत होता है और मजबूत परिवार से समाज का विकास संभव होता है।कार्यक्रम समन्वयक हेमलता ने पंचायत और ब्लॉक स्तर पर महिलाओं की समस्याओं की पैरवी की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

महिलाओं के अधिकार और संगठन की भूमिका पर जोर

बैठक में संस्था की सचिव पुष्पा पाल ने कहा कि नारी संघ का उद्देश्य महिलाओं को संगठित कर उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है। BAG सदस्य रेखा ने कहा कि पहले महिलाओं के लिए संगठित मंच की कमी थी।

> कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी महिलाओं ने अपना परिचय दिया और समूह की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी पर चर्चा की गई। ब्लॉक स्तर पर महिलाओं की समस्याओं की पैरवी की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सम्पादकीय

कब तक कुर्बान होंगी नववधुएं

दीपिका नागर और ट्विशा शर्मा की कथित हत्या या आत्महत्या, दहेज के लिए उत्पीड़न और ससुराल पक्ष के अत्याचार की दो खबरें इस समय काफी सुर्खियों में हैं। यह हमारे देश और समाज की कड़वी सच्चाई है कि महिला सशक्तीकरण के लिए बने सारे नियम-कानून महिला उत्पीड़न के बढ़ते आंकड़ों के सामने प्रभावहीन नजर आते हैं। दहेज की कुप्रथा को रोकने के लिए 1 जुलाई 1961 से ही दहेज निषेध अधिनियम, 1961 लागू है। जिसके तहत दहेज लेना और देना दंडनीय अपराध है। दहेज प्रथा को बढ़ावा देना भी गैरकानूनी है और मौखिक या लिखित किसी भी तरह से दहेज के लेन-देन से संबंधित कोई भी समझौता करना भी कानूनन अमान्य है। इस कानून के उल्लंघन पर बाकायदा जुर्माना और जेल दोनों का प्रावधान है। सभ्य समाज चाहे तो इस कानून का पालन कर लड़कियों के लिए एक सुरक्षित माहौल और भविष्य बना ले। लेकिन जिस समाज में लड़की होना ही अघोषित तौर पर अपराध बना हुआ है, वहां ऐसी कोई भी उम्मीद बेकार ही है। 2026 में आकर भी हमें संदिग्ध हालात में ससुराल में नवविवाहिताओं की मौत पर चर्चा करनी पड़ रही है। यही हाल पिछली सदी का भी था, तब एक गंभीर बात मजाक की तरह कही जाने लगी थी कि सारे स्टोव दुल्हनों के सामने ही क्यों फटते हैं। क्योंकि उस समय कई बहुएं स्टोव फटने के कारण जलकर मर जाती थीं। उनके ससुराल वाले मायके में खबर करते थे कि आपकी बेटी जल गई। अब स्टोव नहीं है, तो मानसिक तौर पर बीमार होने के कारण सामने आने लगे हैं। भोपाल में ट्विशा शर्मा की कथित आत्महत्या के पीछे भी उनकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह ने यही बताया है कि ट्विशा मानसिक रोगी थी। गौरतलब है कि नोएडा की रहने वाली ट्विशा की शादी भोपाल में समर्थ सिंह से हुई थी। बीती 12 मई को रात को अचानक ट्विशा की मौत की खबर उनके परिजनों को दी गई। ससुराल पक्ष ने कहा है कि ट्विशा ने फांसी लगा ली, वहीं पुलिस ने भी शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या माना है, लेकिन मृतका के परिवार ने इसे सोची-समझी साजिश करार दिया है। परिवार का आरोप है कि शादी के बाद से ही ट्विशा पर नौकरी छोड़ने और गर्भवती होने को लेकर लगातार मानसिक और शारीरिक दबाव बनाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि मौत से ठीक पहले ट्विशा ने अपनी एक सहेली को फोन पर कई संदेश भेजे थे, जिसमें अपने उत्पीड़न की बात उन्होंने कही थी। एम्स भोपाल में मौत के बाद ट्विशा का पोस्टमार्टम हुआ, जिसकी रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि ट्विशा की मौत फांसी लगाने से हुई थी। उनके शरीर पर कोई बड़ी चोट के निशान तो नहीं हैं, लेकिन उनके हाथ समेत शरीर के कुछ हिस्सों पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि मौत से करीब एक हफ्ते पहले ट्विशा का गर्भपात हुआ था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये चोटें कैसे आईं। 12 मई को जब ट्विशा शर्मा कथित तौर पर घर की छत पर जिमनास्टिक रिंग की रस्सी के सहारे लटकी हुई मिली तो ससुराल वाले उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ट्विशा के मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज हत्या और प्रताड़ना का मामला दर्ज किया था। जिसमें गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत मिल चुकी है, लेकिन समर्थ सिंह इन पंक्तियों के लिखे जाने तक फरार ही है। गिरिबाला सिंह ने इस बीच मीडिया में कुछ इंटरव्यू भी दिए हैं, जिसमें उन्होंने ट्विशा की मानसिक स्थिति ठीक न होने की बात कही। गिरिबाला सिंह के मुताबिक ट्विशा ने कहा कि उसे पौधे पसंद हैं, लेकिन वह उनमें पानी नहीं देती थी, बच्चे पसंद होने की बात कही, लेकिन पालना नहीं चाहती थी। खाना बनाना पसंद होने की बात कही, लेकिन अपनी देखरेख में न खाना बनवाना चाहती थी, न सब के साथ बैठकर खाना खाती थी। यह बात समझ से परे है कि जो व्यक्ति अपना पक्ष रखने के लिए इस दुनिया में नहीं है, उसकी मौत के चंद दिन बाद ही इस तरह शिकायती लहजे में बातें करना किस लिहाज से सही है। यह मामला फिलहाल कानूनी दायरे में है, तो ऐसे में गिरिबाला सिंह का सार्वजनिक बयानबाजी करना भी क्या सही है। बता दें कि ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने गिरीबाला सिंह पर गंभीर आरोप लगाएं हैं कि वे मीडिया के सामने उनकी मृत बेटी के चरित्र पर लांछन लगा रहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शादी के बाद से ट्विशा को प्रताड़ित किया जाता था।

यदि बंगाल में भाजपा सरकार नहीं बनती तो 'चिकन नेक' का विकास असंभव था

> भाजपा ने आरोप लगाया था कि बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ जिसे उसने तृणमूल सरकार की ओर से बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। आरोपों में कहा गया था कि उत्तरी बंगाल के सीमावर्ती जिलों की आबादी का स्वरूप बदलकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को और भी ज़्यादा कमज़ोर कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी सरकार के गठन और सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे 'चिकन नेक' कहा जाता है, के विकास और सुरक्षा से जुड़ी लंबित फाइलों को केवल 15 दिनों के भीतर जिम्मेदारी सौंपी दी गई है। जिन हिस्सों की जिम्मेदारी सौंपी गई उनमें से कई हिस्से संकरे और संवेदनशील 'चिकन नेक' कॉरिडोर से होकर गुज़रते हैं, जो पूर्वोत्तर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जमीन से जुड़ा एकमात्र रास्ता है।बंगाल की नई सरकार ने अपने शुरुआती फैसलों में से एक में, नेशनल हाईवे के सात हिस्सों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नेशनल हाईवेज़ एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपने की मंजूरी दे दी है। इस कदम का असर न सिर्फ़ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास जैसे सड़कों की मरम्मत और चौड़ीकरण और व्यापार पर पड़ेगा, बल्कि रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। यह ऐसा विषय हैं जिसपर भाजपा हमेशा से बातें करती रही हैं। अब केंद्र और बंगाल, दोनों जगहों पर भाजपा सत्ता में है। सौंपे गए सात हिस्सों में से पांच सिलीगुड़ी कॉरिडोर या 'चिकन नेक' से होकर गुज़रते हैं। यह 60 किलोमीटर लंबा एक इलाका है, जो अपनी सबसे संकरी जगह पर महज़ 20-22 किलोमीटर चौड़ा है और नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के बीच फंसा हुआ है, जबकि इसके उत्तर में सिक्किम के पार चीन स्थित है। इस कॉरिडोर में किसी भी तरह की रुकावट से आठ पूर्वोत्तर राज्यों के साथ कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है। सुरक्षा जानकारों ने इस क्षेत्र में ज़्यादा चौड़े और ज्यादा मज़बूत हाईवे की जरूरत पर बार-बार जोर दिया है, खासकर 2017 में चीन के साथ डोकलाम गतिरोध (भारत-भूटान-चीन के मिलन बिंदु पर) और बार-बार होने वाले भूस्खलन को ध्यान में रखते हुए, जिससे अक्सर सिक्किम और पहाड़ी इलाकों से संपर्क टूट जाता है। बंगाल मुख्य सचिव के दफ़्तर से जारी एक प्रेस नोट में कहा गया है, 'पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य लोक निर्माण विभाग के NH विंग से राष्ट्रीय राजमार्गों के सात हिस्सों को NHAI और NHIDCL को सौंपने के लिए सैद्धांतिक मंज़ूरी दे दी है।'इसमें कहा गया है कि ये प्रस्ताव केंद्रीय एजेंसियों के बार-बार अनुरोधों के बावजूद लगभग एक साल से राज्य सरकार के पास लंबित थे और औपचारिक रूप से सौंपे जाने के अभाव में इन हिस्सों पर काम रुका हुआ था। भाजपा ने इन हिस्सों को केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने में हुई देरी को लेकर ममता बनर्जी की पिछली सरकार पर लगातार हमले किए थे। साल 2020 में दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों के आरोपी शरजील इमाम ने कहा था कि अगर 5 लाख मुसलमान भी इकट्ठा हो जाएं तो चिकन नेक को बंद करके भारत को भारत को नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से पूरी तरह काटा जा सकता है। शरजील इमाम ये बात इसलिए कह रहा था, क्योंकि चिकन नेक के इलाके को मुस्लिम अक्सरियत माना जाता है। मुस्लिम अक्सरियत का मतलब ये है कि यहां मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक है। अब ये बात इतनी खतरनाक थी कि इसके कारण शरजील इमाम को आज तक अदालत से जमानत नहीं मिली। जबकि केंद्र सरकार ने भी ऐसी कई कोशिशें कीं, जिससे चिकन नेक का इलाका उसकी एजेंसियों और बीएसएफ को पूरी तरह मिल जाए। ममता बनर्जी को इसके लिए कई प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन वह ऐसा करने के लिए तैयार नहीं हुईं। शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद, भाजपा ने यह हवाला देकर कहा था कि बांग्लादेश से आने वाली कट्टरपंथी और भारत-विरोधी आवाज़ें 'चिकन नेक' को काटकर भारत को कमजोर करने की बातें कर रही हैं। जहां एक तरफ ममता यह दलील देती रहीं कि सीमा प्रबंधन केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, वहीं भाजपा ने दावा किया कि केवल डबल-इंजन वाली सरकार ही इस नाज़ुक रास्ते को मज़बूत बनाने में सक्षम है। अधिकारियों ने बताया कि यह हस्तांतरण फैसला उन राजमार्गों के लंबे समय से अटके विस्तार, मज़बूतीकरण और मरम्मत के काम में तेजी ला सकता है, जिन्हें रक्षा लॉजिस्टिक्स, व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए बेहद अहम माना जाता है। खास तौर पर, NH10 मॉनसून से होने वाले नुकसान की चपेट में आता रहा है, जिससे सिक्किम को होने वाली सप्लाई में बार-बार रुकावटें आती रही हैं। दार्जिलिंग को जोड़ने वाले NH110 को भी सालों से भूस्खलन, ज़मीन धंसने और ट्रैफिक जाम जैसी पुरानी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे क्षेत्र को 'चिकन नेक' इसलिए कहा जाता है क्योंकि भौगोलिक रूप से इसका आकार मुर्गी की गर्दन जैसा पतला है। यह पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्से में दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी के पास स्थित है। लगभग 60 किलोमीटर लंबे इस पूरे इलाके की सबसे संकरी जगह महज 20 से 22 किलोमीटर चौड़ी है। आकार में छोटा होने के बावजूद यह भारत का सबसे संवेदनशील भूभाग माना जाता है।सिलीगुड़ी कॉरिडोर सिर्फ आंतरिक रूप से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसकी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं इसे और भी संवेदनशील बनाती हैं। यह इलाका नेपाल और बांग्लादेश की सीमाओं से घिरा हुआ है। इसके साथ ही, सिक्किम और तिब्बत की चुंबी वैली सहित भूटान का डोकलाम ट्राई-जंक्शन भी इसके बेहद करीब स्थित है। चीन की नजरें हमेशा इस इलाके के पास टिकी रहती हैं, जिससे इस भूभाग पर किसी भी तरह का प्रशासनिक या ढांचागत व्यवधान पूरे देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है।

अशोक भाटिया

विदेश न जाने या ...

सर्वमित्रा सुरजन

ही ही-खी खी कूटनीति ने भारत का बनाया मजाक

इस महंगाई की सबसे पहली मार पोषण पर ही पड़ती है, खासकर महिलाओं और बच्चों के कुपोषित होने की आशंका सबसे अधिक रहती है। सोना न खरीदने या विदेश न जाने की अपील तो उस समृद्ध तबके को ही परेशान करेगी, जिसके पास बढ़ती महंगाई के बावजूद इन चीजों पर खर्च करने की गुंजाइश रहती है। विदेश न जाने या सोना न खरीदने के बावजूद उनके रोजमर्रा के खान-पान पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ठान रखा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को शर्मसार करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के साथ उनकी ही ही-खी खी और जबरन गले पड़ना ही काफी नहीं था कि अब मेलोडी टॉफी बांटकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों को साधा जा रहा है। हमें नहीं मालूम कि प्रधानमंत्री का असल बचपन किस अवस्था में गुजरा, लेकिन जब वे 6-7 बरस के रहे होंगे यानी सन् 56-57 में, तब विद्यालयों में जन्मदिन के मौकों पर संगी-साथियों और शिक्षकों को टॉफी बांटने का चलन भी नहीं था। यह बाद का चलन है और आज कई स्कूलों में जन्मदिन के मौके पर बच्चे टॉफी का पैकेट लेकर जाते हैं, अपनी कक्षा के बच्चों को खिलाते हैं और साथ ही स्कूल के सभी शिक्षकों को भी। यह कोई अनिवार्यता नहीं है, लेकिन बच्चों की खुशियां बांटने का एक ढंग है। आम तौर पर मेलोडी या कॉफी बाइट जैसी टॉफियों के पैकेट ही बच्चे ले जाते हैं, क्योंकि यह ज्यादा महंगी नहीं पड़ती है। नरेन्द्र मोदी ने पारले कंपनी की इसी मेलोडी टॉफी के पैकेट को अब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भेंटस्वरूप दिया है। सवाल है कि क्या नरेन्द्र मोदी बचपन में स्कूल में टॉफी न बांट पाने की कसक को 75 बरस की उम्र में पूरा कर रहे हैं, या मेलोनी से अपनी निजी दोस्ती को वे सोशल मीडिया के जरिए प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं या कूटनीति को लेकर उनकी समझ इतनी हल्की है जिसे वे टॉफी के रैपर में लपेट कर पेश कर रहे हैं। पाठकों को बता दूं कि मेलोनी और मोदी के नामों को मिलाकर हैशटैग मेलोडी तीन सालों से सोशल मीडिया पर चल रहा है। 2023 में हुए कॉप 28 समिट में मेलोनी ने मोदी के साथ सेल्फी शेयर की थी और तब इस हैशटैग का इस्तेमाल किया था। तब से दोनों नेताओं की जब भी मुलाकात होती है, इंटरनेट पर मेलोडी हैशटैग के साथ मीम्स और चुटकुले आने लगते हैं। सोशल मीडिया की दुनिया यही है कि यहां गंभीर से गंभीर विषय भी मजाक में कब तब्दील हो जाए, पता नहीं चलता। लेकिन भारतीय परंपरा और संस्कृति की बार-बार दुहाई देने वाले मोदी क्या नहीं जानते कि एक स्त्री और एक पुरुष का नाम कब और क्यों साथ में जोड़ा जाता है, या लिखा जाता है। अगर सोशल मीडिया दो देशों के प्रधानमंत्रियों (जिसमें दोनों जीवनसाथी रहित हैं) को लेकर ऐसे सस्ते मजाक कर रहा है, तो क्या यह जरूरी है कि प्रधानमंत्री उस मजाक को आगे बढ़ाएं और सोशल मीडिया पर समय बिताने वालों को प्रोत्साहित करें कि वे आगे इसी तरह मस्ती-मजाक में कूटनीति जैसे गंभीर विषय को उपेक्षित होने दें। 20 मई की सुबह जब सोशल मीडिया एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी की मेलोनी को मेलोडी भेंट करते हुए वीडियो देखा तो एकबारगी यकीन नहीं हुआ कि यह सच है, लेकिन ऐसा ही था। खुद मेलोनी ने इसे अपने सोशल मीडिया पर डाला और अब इंटरनेट पर यह चर्चा में है। वीडियो में नजर आ रहा है कि नरेन्द्र मोदी ने नीले बंद गले के सूट में मेलोनी को टॉफी का बैग थमाया, जबकि मेलोनी सफेद सूट में थीं। मेलोनी ने इस वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, 'उपहार के लिए धन्यवाद। वीडियो में मेलोनी कहती सुनाई दे रही हैं,' उन्होंने हमें एक बहुत ही अच्छी टॉफी गिफ्ट की। इसके बाद दोनों नेता जोर-जोर से हंस पड़े। यह क्लिप पोस्ट होने के एक घंटे के अंदर लगभग 10 लाख लोगों ने इसे देखा, जिस पर हजारों प्रतिक्रियाएं लिखी गईं। मोदी की यह हंसी गरीब जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने के समान लग रही है, जो पेट्रोल-डीजल, सीएनजी, गैस सिलेंडर, दूध, ब्रेड सब कुछ महंगा होने पर परेशान है कि घर के खर्चों को कैसे पूरा किया जाएगा। इस महंगाई की सबसे पहली मार पोषण पर ही पड़ती है, खासकर महिलाओं और बच्चों के कुपोषित होने की आशंका सबसे अधिक रहती है। सोना न खरीदने या विदेश न जाने की अपील तो उस समृद्ध तबके को ही परेशान करेगी, जिसके पास बढ़ती महंगाई के बावजूद इन चीजों पर खर्च करने की गुंजाइश रहती है। विदेश न जाने या सोना न खरीदने के बावजूद उनके रोजमर्रा के खान-पान पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है। लेकिन गरीब आदमी तो सबसे पहले अपनी थाली में ही कटौती करेगा। देश को आर्थिक संकट की उथल-पुथल में छोड़कर विदेश जाने वाले नरेन्द्र मोदी के बचाव में यही तर्क सुनने मिल रहे हैं।

बाकी पैसा फिर ....

डा.रमेश ठाकुर

ट्रांसजेंडरों के लिए आवंटित धन के बंटवारे में कंजूसी क्यों?

ट्रांसजेंडर समुदाय के जीवन को बदलने वाली सरकारी योजनाएं जमीन पर नहीं उतर पाईं। केंद्र सरकार द्वारा पिछले 5 वर्षों के दौरान बजट के रूप में आवंटित भारी भरकम धनराशि प्रशासनिक लापरवाहियों के चलते खर्च ही नहीं हो सकी? प्रत्येक वर्ष का पैसा वापस जाता रहा। जबकि, किन्नरों को भी मुख्यधारा से जोड़ने को केंद्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रयास हुए थे। अगर ईमानदारी से पूरा पैसा खर्च किया जाता, तो किन्नर समुदाय में भारी बदलाव आया होता। सरकार-समाज ये दोनों वर्ग अच्छे से परिचित हैं कि किन्नरों को हमेशा से सामाजिक स्वीकार्यता से दूर रखा गया है। ट्रांसजेंडरों की संख्या भारत में लगभग 6 लाख के आसपास है। पिछली जनगणना में 4,87,803 संख्या सामने आई थी। उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक है वहां 1,37,465 किन्नर रहते हैं। पर, अफसोस विकसित होते समाज में भी ये समूची आबादी अब भी हाशिए पर है।

हाल में संपन्न हुए संसद सत्र में इसी मुद्दे को सांसद संजय सिंह से राज्यसभा में पुरजोर से उठाकर व्यवस्था तंत्र का ध्यानाकर्षण करवाया। तभी, केंद्र सरकार ने नए सिरे से समीक्षा करने का मन भी बनाया है। समाज के दूसरे पारंपरिक समुदायों के मुकाबले ट्रांसजेंडर भी तरक्कर करें, देश के विकास की मुख्यधारा में लोगों के साथ कदमताल मिलाएं, को ध्यान में रखकर ही इनके कल्याण के लिए तमाम सारी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया गया था। प्रत्येक वर्ष करोड़ों का बजट आवंटन होना आरंभ हुआ। लेकिन, दुर्भाग्य किसी भी साल पूरी धनराशि किन्नर कल्याण पर खर्च नहीं हुई। पैसा खर्च नहीं होना, निश्चित रूप से बड़ा मजाक ही कहा जाएगा। पिछले 4-5 वर्षों में आवंटित धनराशि पर गौर करें, तो महसूस होगा कि वास्तव में कितना बड़ा विश्वासघात किन्नरों के साथ किया गया? कोविड-19 के बाद साल 2021-22 के केंद्रीय बजट में ट्रांसजेंडरों के लिए केंद्रीय बजट में 20 करोड़ रूपए आवंटित किए गए, जिसमें मात्र एक करोड़ 91 लाख ही खर्च हुए। यानी केवल 9.55 फीसदी धन खर्च हुआ। बाकी पैसा फिर से वापस चला गया। 2022-23 में इस धनराशि में इजाफा किया गया। 20 के जगह 30 करोड़ आवंटित हुए। लेकिन उसे भी खर्च नहीं किया गया। मात्र 12 लाख खर्च किए। संपूर्ण धनराशि का केवल आधा ही फीसदी? उसके बाद साल 2023-24 में और बढ़ोतरी करके 52 करोड़ 91 लाख रूपए किन्नर कल्याण कोष को दिए। दुर्भाग्य वह पैसा भी खर्च नहीं हुआ? सिर्फ 6 करोड़ 59 लाख खर्च हुए। यानी 12.45 फीसदी। 2024-25 में 68 करोड़ 46 लाख रूपए आवंटित किए, जिनमें भी केवल 5 करोड़ 14 लाख रूपए ही खर्च हुए। सिर्फ 7.5 फीसदी ही विभाग खर्च कर पाया। ये मजाक नहीं तो और क्या है?

जरा हटके

वियतनाम सरकार ...

नन्तू बनर्जी

घरेलू तेल खपत को कम करने का समय आ गया

दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद खुदरा तेल की खपत के तरीके पर रोक लगाने में भारत की लगातार हिचकिचाहट, अगर मंज़ूर नहीं है, तो समझ से बाहर है। सरकार, जो खुदरा तेल की कीमतों का करीब 50 प्रतिशत कर लगाकर सबसे अधिक लाभ उठाती है, ईंधन की खपत को कम करने के लिए तैयार नहीं है, जबकि देश लगभग 90 प्रतिशत कच्चे तेल के आयात पर निर्भर है। पिछले शुक्रवार को, भारत के सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने चार साल में पहली बार पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें तीन रुपये प्रति लीटर से थोड़ी ज़्यादा बढ़ा दीं ताकि दुनिया भर में कच्चे तेल की ज़्यादा कीमतों के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को हुए कुछ नुकसान की भरपाई की जा सके। ईरान पर अमेरिकी-इज़रायली हमलों से शुरू हुए युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के ज़रिए शिपिंग में रुकावट के बाद खुदरा ईंधन की कीमतें बढ़ाने वाली यह आखिरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ज़्यादातर देशों ने पहले ही घरेलू तेल की कीमतें बढ़ा दी हैं। दूसरों ने खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय ईंधन सब्सिडी को समायोजित किया है। ईरान-अमेरिका युद्ध के बाद दुनिया भर के देशों—खासकर दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया—को आपूर्ति में भारी रुकावट और आसमान छूती कीमतों की वजह से घरेलू तेल की खपत को नियंत्रित करने और राशन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। छोटे से देश श्रीलंका की सरकार ने नेशनल फ्यूल पास क्यूआई सिस्टम के ज़रिए सख्त ईंधन राशनिंग लागू की है, जिससे हर गाड़ी में पेट्रोल की मात्रा सीमित हो गई है, और आने-जाने में कमी लाने के लिए बुधवार को सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दिया है। ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए, पाकिस्तान ने हफ़्ते में चार दिन काम करने की व्यवस्था की है, दो हफ़्ते के लिए स्कूल बंद कर दिए हैं, और सरकारी गाड़ियों के लिए ईंधन भत्ता में 50 प्रतिशत की कमी ज़रूरी कर दी है। इंडोनेशिया ने सब्सिडी वाले ईंधन की बिक्री पर सख्त सीमा लागू की है और बढ़ती ऊर्जा कीमतों का मुकाबला करने के लिए असैन्य सेवा में लगे लोगों के लिए वर्क-फ्रॉम-होम नीति ज़रूरी कर दी है। मिस्र ने सभी सरकारी गाड़ियों के लिए ईंधन आवंटन में 30 प्रतिशत की कटौती की है। इसने बड़े पैमाने के सार्वजनिक परियोजनाओं को भी धीमा कर दिया है जिनमें ज़्यादा मात्रा में ईंधन की खपत होती है। वियतनाम सरकार ने शुद्ध खनिज तेल पर घरेलू निर्भरता कम करने के लिए इथेनॉल युक्त तेल की ओर बदलाव का आदेश दिया। जिन देशों में खुदरा खनिज तेल की कीमतों में बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी देखी गई, उनमें म्यांमार (101 प्रतिशत), कंबोडिया (68 प्रतिशत), फिलीपींस (54.2 प्रतिशत), वियतनाम (50 प्रतिशत से ज़्यादा), और पाकिस्तान (42 प्रतिशत) शामिल हैं। तुलना में पेट्रोल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी यूनाइटेड स्टेट्स में देखी गई, जहां पेट्रोल पंप की कीमतें ऑस्ट्रेलिया (29 प्रतिशत), कनाडा (28 प्रतिशत), और यूके (20 प्रतिशत) के मुकाबले लगभग 36 प्रतिशत बढ़ीं। डीज़ल ड्राइवरों को यूरोपियन ऊर्जा संकट का सबसे ज़्यादा खामियाजा भुगतना पड़ा, जहां औसत पंप कीमतों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जहां स्पेन ने यूरोपीय यूनियन में डीज़ल की कीमतों में सबसे ज़्यादा 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, वहीं जर्मनी में ईंधन की लागत लगभग 19 प्रतिशत बढ़ गई। चीन में, सरकारी नियंत्रण और रिफाइनरी समायोजन से कीमतों में बढ़ोतरी लगभग 28 प्रतिशत पर सीमित थी। भारत में, जहां केन्द्रीय और राज्य करों की वजह से तेल की कीमतें पहले से ही बहुत ज़्यादा हैं, पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में लगभग 3.2 प्रतिशत से 3.4 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी की है। सऊदी अरब ने सीधा सरकारी सब्सिडी ढांचे की वजह से बिना किसी बढ़ोतरी के खुदरा कीमतें स्थिर रखीं। जबकि ज़्यादातर बड़े तेल आयातक देशों ने आम जनता के लिए खनिज तेल का इस्तेमाल सीमित कर दिया है, भारत, जो चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है, ने कुछ अनजान कारणों से कोई सीमा या रोक नहीं लगायी है। भारत के पास केवल लगभग 4.6 से 4.9अरब बैरल कच्चा तेल भंडार है। यह अपनी ज़रूरतों का 85 प्रतिशत से ज़्यादा आयात करता है और आपातकालीन आपूर्ति सुरक्षा के लिए भी भंडार सुरक्षित रखता है। चीन और अमेरिका द्वारा तेल आयात का मकसद मूल रूप से अपने बड़े आन्तरिक तेल भंडार की सुरक्षा करना है। अमेरिका के पास लगभग 83 अरब बैरल कच्चा तेल भंडार है। चीन के रिज़र्व का अनुमान 28अरब बैरल से ज़्यादा है। इस हिसाब से चीन दुनिया भर में 13वें नंबर पर है और दुनिया के कुल तेल भंडार का लगभग 1.6 प्रतिशत हिस्सा इसके पास है। चीन और अमेरिका दुनिया भर में कच्चे तेल की मांग के मुख्य ड्राइवर हैं, हालांकि उनकी आयात ज़रूरतें अलग-अलग आर्थिक और घरेलू उत्पादन कारकों से तय होती हैं। चीन, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एक मुख्य मैन्युफैक्चरिंग हब है, को औद्योगिक उत्पादन और बढ़ती घरेलू खपत को बनाए रखने के लिए बहुत ज़्यादा ऊर्जा आपूर्ति की ज़रूरत है। यह नियमित तौर पर हर दिन 110 लाख बैरल से ज़्यादा आयात करता है। भारत अपने तेज़ी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिक विकास और बड़े परिवहन नेटवर्क के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अपनी तेल की लगभग 85 प्रतिशत मांग आयात से पूरी करता है।

बहन के साथ मिलकर बांके से काटा, लखनऊ की ट्रेन में रखा शव

हिंदू-लड़के से प्यार किया तो बेटी के 6 टुकड़े किए

हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बक्से के भीतर मिले शव की पहचान हो गई। शव कुशीनगर की रहने वाली 15 साल की लड़की बेबी शब्बा का था। हिंदू युवक से अफेयर के शक में पिता ने बहन और बहनोई के साथ मिलकर उसकी हत्या की। बांके से शव के 6 टुकड़े किए। सिर को वहीं फेंक दिया। पुलिस ने उसकी पड़ताल की तो उन लोगों की पहचान पिपराघाट मुस्तकिल गांव के जयपुर टोला निवासी बिग्गन अंसारी पुत्र मजिस्टर अंसारी, थाना पडरौना के थिरकिया निवासी मोजिबुल्ला अंसारी और उसकी पत्नी नूरजहां के रूप में हुई। इस पर बेटी ने फांसी लगाकर सुसाइड करने की कोशिश की। इस पर उसकी हत्या की साजिश रची। योजना के तहत पत्नी और बेटे को घर से बाहर भेज दिया।

बिग्गन की पहली बेटी खुशबू (24) भी काफी समय से लापता है। ग्रामीणों में चर्चा है कि आरोपी ने उसकी भी तो हत्या नहीं कर दी थी। दूसरी बेटी नरगिस (20) गांव के ही एक हिंदू युवक के साथ भाग गई थी। दोनों कहीं बाहर रहते हैं।

2 छोटे भाई बड़ा 9 साल और छोटा 6 साल का है। बड़ा भाई कैंसर पीड़ित है। बेबी किसी लड़के से बात करती थी। बिग्गन दो बेटियों के लव मैरिज करने से पहले से ही आहत था। जब उसे पता चला कि बेबी का भी अफेयर है, तो उसने उसकी हत्या कर दी। टीम ने बोगी में सवार कुछ यात्रियों से पूछताछ की। रूट के स्टेशनों से भी पड़ताल की गई।

> **पुलिस ने आरोपी पिता बिग्गन अंसारी, उसकी बहन नूरजहां और बहनोई मोजिबुल्ला अंसारी को कुशीनगर से गिरफ्तार कर लिया है। बिग्गन अंसारी सेवरही थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसके बहन-बहनोई पडरौना थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। तीनों ने हत्या करने के लिए नया बांका खरीदा था। वह बरामद हुआ है।**

लखनऊ जीआरपी की मौजूदगी में बक्से का ताला तोड़ा गया।

लड़की रंग-बिरंगा सूट पहने थी

लड़की रंग-बिरंगा सूट पहने थी। इसे देखकर आशंका जताई जा रही थी कि वह किसी गांव की रहने वाली है। पहली नजर में देखने पर लग रहा था कि उसको धारदार हथियार से काटा गया है।

शिनाख्त के लिए टीम बनी, 800 सीसीटीवी से पुलिस आरोपी तक पहुंची

छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस ट्रेन कुल 20 स्टेशनों से गुजरती है। यह ट्रेन करीब 12 घंटे में सफर पूरा करती है। लड़की के पहचान के लिए पुलिस अधीक्षक रेलवे रोहित मिश्रा ने 3 टीमों का गठन किया। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रथम अमित कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जीआरपी चारबाग प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह की टीम ने सीसीटीवी कैमरों और सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। टीम ने बोगी में सवार कुछ यात्रियों से पूछताछ की। रूट के स्टेशनों से भी पड़ताल की गई।

17 मई को लखनऊ में मिला था धड़

गाड़ी संख्या-15114 छपरा से गोमतीनगर के बीच चलती है। ट्रेन छपरा से 16 मई की शाम 5:45 बजे चलकर 17 मई की सुबह 6 बजे गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। S-1 कोच में सफाई के दौरान स्टाफ को एक संदिग्ध बैग और बॉक्स मिला। स्टाफ ने इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ को बुलाया गया। चारबाग के जीआरपी प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि टीम के साथ मौके पर पहुंचने पर बॉक्स खुलवाया गया। इसमें एक लड़की का धड़ था। उसके हाथ-पैर बैग में एक पॉलीथीन में पैक थे।

> *पुलिस के मुताबिक, जयपुर टोला निवासी बिग्गन अंसारी पुत्र मजिस्टर अंसारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। शुरुआत में उसने खुद को निर्दोष बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बहन और बहनोई के साथ मिलकर बेटी बेबी शब्बा की हत्या करना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि उसे शक था उसकी दो बड़ी बेटियां पहले ही हिंदू युवकों से लव मैरिज कर चुकी थीं। वह नहीं चाहता था कि छोटी बेटी भी हिंदू युवक से लव मैरिज करे। इस वजह से उसने बेटी को हिंदू युवक से बात करने पर मारा पीटा।*

शव के 6 टुकड़े करके अलग-अलग जगह ठिकाने लगाया

पुलिस की पूछताछ में बिग्गन अंसारी ने बताया कि बहन-बहनोई के साथ मिलकर बेटी की हत्या करने के लिए नया बांका खरीदकर लाया। तीनों ने मिलकर बेटी की हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने के लिए शव के 6 टुकड़े किए।

पहचान न हो पाए इसके लिए सिर के भी टुकड़े किए। कुछ हिस्सों को पड़ोस के तालाब और कुछ को दूसरे स्थान पर फेंक दिया। धड़, पैर-हाथ को काटकर प्लास्टिक और कपड़ों में लपेटकर बक्से में रख दिया। तीनों ई-रिक्शा से संदूक लेकर तमकुहीरोड रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां बक्से को छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस के एक स्लीपर कोच में रख दिया। दूसरे कोच से तीनों नीचे उतर गए।

तालाब से सिर के कुछ हिस्सा और बांका मिला

बेटी की हत्या की बात कबूल करने पर बिग्गन अंसारी को लेकर रेलवे पुलिस और सेवरही पुलिस की संयुक्त टीम बुधवार को उसके गांव पहुंची। उसकी निशानदेही पर गोताखोरों की मदद से तालाब से सिर का कुछ हिस्सा बरामद किया। घटना में इस्तेमाल बांका बरामद किया। उसके बाद उसकी बहन-बहनोई को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पिता बिग्गन अंसारी पहले विदेश रहता था। 5 साल पहले वापस आया था। अब घर रहकर ई-रिक्शा चलता था। अपने ही ई-रिक्शा से लड़की का धड़ ले गया था। मृतका बेबी शब्बा 3 बहनों में सबसे छोटी थी। 2 बड़ी बहनें प्रेम विवाह कर जा चुकी हैं। 2 छोटे भाई बड़ा 9 साल और छोटा 6 साल का है। बड़ा भाई कैंसर पीड़ित है। बेबी किसी लड़के से बात करती थी। बिग्गन दो बेटियों के लव मैरिज करने से पहले से ही आहत था। जब उसे पता चला कि बेबी का भी अफेयर है, तो उसने उसकी हत्या कर दी।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ पुलिस से शिकायत

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद लखनऊ में सियासी माहौल गरमा गया है। भाजपा सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हुसैनगंज थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी और उनके परिवार को लेकर अभद्र व अपमानजनक बयान दिया। तहरीर में कहा गया है कि मंत्री ने गांधी परिवार की पीढ़ियों को गद्दार कहकर संबोधित किया है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। कांग्रेस कार्यकर्ता नितांत सिंह उर्फ नितिन ने हुसैनगंज कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित बयान से पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने बयान का वीडियो लिंक और अन्य साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे हैं।

11000 लाइन की चपेट में आने से लाइनमैन की मौत

फैजुल्लागंज फीडर पर कर रहा था काम, डॅटव में दम तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज इलाके में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। 11 हजार वोल्ट की लाइन पर काम कर रहे लाइनमैन उदय राज की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, उदय राज अपने एक साथी के साथ फैजुल्लागंज स्थित नीलकंठ मंदिर के पास फैजुल्लागंज फीडर पर काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट दौड़ गया और वह 11 हजार लाइन की चपेट में आ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए KGMU पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना बुधवार देर शाम की बताई जा रही है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस और संबंधित विभाग हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं।

ग्राम विकास अधिकारियों को मूल विभाग में वापस भेजने की मांग

पंचायत अधिकारी संघ ने कृषि उत्पादन आयुक्त को भेजा अनुस्मारक पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ ने कृषि उत्पादन आयुक्त को अनुस्मारक पत्र भेजकर ग्राम विकास अधिकारियों की दीर्घकालीन प्रतिनियुक्ति समाप्त करने और उन्हें मूल विभाग में वापस भेजने की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि जल्द निर्णय न होने पर वह न्यायालय की शरण लेगा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह और महामंत्री नागेन्द्र प्रताप कुशवाहा द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि शासनादेश 12 जुलाई 2006 व 25 फरवरी 2013 के तहत ग्राम विकास अधिकारियों को अस्थायी रूप से ग्राम पंचायतों में ₹सचिव₹ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। 16 मार्च 1999 के शासनादेश के अनुसार प्रतिनियुक्ति अधिकतम 3 साल या विशेष परिस्थिति में 5 साल तक हो सकती है। इसके बाद प्रतिनियुक्ति बढ़ाई नहीं जा सकती। लेकिन ग्राम विकास अधिकारियों को सालों से पंचायत विभाग में रखा गया है। पत्र में सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का जिक्र है – 'उ0प्र0 ग्राम पंचायत अधिकारी संघ बनाम दयाराम सरोज' 2007 और 'कृष्णानंद बनाम भारत संघ' 2005। कोर्ट ने माना है कि यह स्थानांतरण नहीं, प्रतिनियुक्ति है और कर्मचारियों को मूल विभाग में वापस भेजा जाना चाहिए। संघ का कहना है कि प्रदेश में ग्राम पंचायत अधिकारियों के 8135 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 7662 भरे हुए हैं। इनमें 6194 अधिकारी पहले से कार्यरत हैं और 1468 नए पदों पर भर्ती आयोग से पूरी हो चुकी है। ऐसे में ग्राम विकास अधिकारियों को उनके मूल विभाग में भेजने से दोनों विभागों का काम नहीं रुकेगा। संघ ने बताया कि 19 जनवरी 2026, 18 फरवरी 2026 और 1 अप्रैल 2026 को भी इस संबंध में प्रत्यावेदन भेजा गया, लेकिन अब तक कोई आदेश नहीं हुआ। इसलिए 11 मई को फिर अनुस्मारक पत्र दिया गया है। पत्र की प्रतिलिपि प्रमुख सचिव ग्राम विकास, प्रमुख सचिव पंचायती-राज, आयुक्त ग्राम विकास और निदेशक पंचायती राज को भी भेजी गई है। संघ ने कहा है कि यदि जल्द फैसला नहीं हुआ तो वह न्यायालय या प्राधिकरण का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन की होगी।

फास्ट न्यूज

राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर गुरुवार कोभारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय 'नेहरू भवन' समेत पूरे उत्तर प्रदेश में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर लखनऊ स्थित नेहरू भवन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। दमन सिंह बबलू समेत कई नेता मौजूद रहे।

युवक का स्कॉर्पियो से अपहरण

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में एक युवक को अस्पताल ले जाने के बहाने अगवा कर बेरहमी से पीटा गया। आरोपियों ने उसे स्कॉर्पियो में डालकर सीतापुर और फिर कानपुर ले जाकर मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित की पहचान सरोजनी नगर के गंगानगर, अमौसी निवासी 24 वर्षीय गिरजेश सिंह के रूप में हुई है, जो पेशे से चालक है। गिरजेश ने बताया कि बुधवार, 20 मई को दोपहर करीब 12 बजे उसके दोस्त अक्षांश सिंह ने उसे मोबाइल पर कॉल कर अमौसी रेलवे स्टेशन के पास स्थित टीएस मिश्रा अस्पताल चलने को कहा।

राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस से शिकायत

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज थाने में अखिल भारत हिंदू महासभा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दी है। उनका आरोप है राहुल गांधी ने अमेठी के एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस को गद्दार कहा था, जिससे करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। गुरुवार अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने हजरत-गंज थाने में शिकायत दी।

ऊर्जा संरक्षण का संदेश देने बाइक से विधानसभा पहुंचे वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सुरेश कुमार खन्ना गुरुवार को अपने पूर्व निर्धारित संकल्प के तहत मोटरसाइकिल से विधानसभा स्थित कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन साइकिल या दोपहिया वाहन से कार्यालय आने का उनका निर्णय केवल व्यक्तिगत पहल नहीं, बल्कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास है।

वित्त मंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां सामान्य नहीं हैं और वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि Narendra Modi द्वारा भारत की ओर से लगातार संवाद और शांतिपूर्ण समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन हालात अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हो सके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पेट्रोल

और डीजल जैसे संसाधनों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाए। ईंधन की बचत केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित और भविष्य की जरूरतों के लिए भी बेहद जरूरी है सुरेश खन्ना ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे जहां तक संभव हो साइकिल, सार्वजनिक परिवहन और साझा वाहनों का उपयोग करें तथा ऊर्जा संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

पुलिस से तीखी नोकझोंक, रातभर पावर हाउसों पर बवाल, लाइनमैन की मौत

बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने मोहान-रायबरेली रोड जाम किया

- बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने बुद्धेश्वर चौराहे से करीब 100 मीटर दूरी पर मोहान रोड जाम कर दिया।
- प्रदर्शनकारियों ने बुद्धेश्वर चौराहे से करीब 100 मीटर दूरी पर लगभग 2 घंटे मोहान रोड जाम करके प्रदर्शन किया। इसके बाद सुनवाई न होने का आरोप लगाकर हंगामा करते हुए बुद्धेश्वर चौराहा पर आ गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बिजली कटौती से गुस्साए लोगों ने आज, गुरुवार सुबह मोहान रोड और रायबरेली रोड जाम कर दिया है।

मोहान रोड पर बुद्धेश्वर चौराहे के पास करीब 2 घंटे प्रदर्शन हुआ। आगरा एक्सप्रेस-वे को जाने वाले वाहनों को तिकुनिया रोड से डायवर्ट किया गया। उतरेठिया अंडरपास के पास रायबरेली रोड पर करीब 1 घंटे प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के बैरियर से ही रोड जाम किया। इस दौरान उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। इसके पहले बुधवार पूरी रात अलग-अलग पावर हाउसों पर बवाल हुआ। गुस्साए लोगों ने पावर हाउसों का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। लोगों के गुस्से को देखते हुए कई पावर हाउसों से बिजली विभाग के अफसर-कर्मचारी भाग गए। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को शांत कराने की कोशिश की।

कई कॉलोनियों के लोग सड़क पर उतरे

जनता विहार, बादल खेड़ा और आसपास के कई इलाकों में पिछले 3 दिनों से बिजली कटौती की समस्या है। इससे गुस्साए लोगों ने आज सुबह करीब 8 बजे बुद्धेश्वर चौराहे के पास मोहन रोड जाम कर दिया। लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। लोगों का आरोप है कि इलाके में 24 घंटे में सिर्फ 2 घंटे ही बिजली सप्लाई दी जा रही है। बिजली न आने से पानी की आपूर्ति भी पूरी तरह प्रभावित हो गई है।

> **लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं कराया गया। लगातार हो रही परेशानी से नाराज होकर क्षेत्रवासियों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर हुए। मोहन रोड पर प्रदर्शन और जाम के चलते दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई।**

कार्यवाई : मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने किया आईटीओटी लखनऊ में न्यू वर्कशॉप ब्लॉक-सी का उद्घाटन

योगी सरकार के कौशल विकास अभियान को नई गति, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार

- आधुनिक और उद्योग आधारित कोर्सेज पर जोर, प्लेसमेंट को बनाया जा रहा मजबूत
- छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाना और ड्रॉपआउट रोकना प्राथमिकताः मंत्री कपिल देव अग्रवाल
- आईटीओटी में व्यवसायों की संख्या 10 से बढ़कर 20, 1300 छात्रों को मिल रहा प्रशिक्षण
- 1781 नए अनुदेशकों का प्रशिक्षण जारी, कौशल शिक्षा की गुणवत्ता हो रही मजबूत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को आईटीओटी अलीगंज (आईटीआई परिसर), लखनऊ में न्यू वर्कशॉप ब्लॉक-सी बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस नई बिल्डिंग में 10 नए व्यवसायों का संचालन प्रारंभ किया गया है, जिससे संस्थान की क्षमता और प्रशिक्षण के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह पहल योगी सरकार के 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' और कौशल आधारित रोजगार सृजन के संकल्प को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि समाज के कमजोर और मध्यम वर्ग से आने वाले विद्यार्थियों के लिए कौशल प्रशिक्षण जीवन बदलने का अवसर होता है। उन्होंने प्रशिक्षकों से कहा कि वे छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावकों से भी संवाद स्थापित करें, ताकि शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रति विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि "जो तपता है वही कुंदन बनता है", इसलिए कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत करने वाले विद्यार्थी ही भविष्य में सफल होते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास डॉ हरिओम ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योगी सरकार के नेतृत्व में विभाग लगातार प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक कोर्सेज और बेहतर प्लेसमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ आधुनिक और उद्योग आधारित कोर्सेज को शामिल किया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को सीधे रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि संस्थानों का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कितने छात्रों को रोजगार या स्वरोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने प्रशिक्षकों से अपेक्षा की कि वे केवल औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देकर छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में सक्षम बनाएं। निदेशक प्राविधिक डी. के. सिंह ने बताया कि नई बिल्डिंग के निर्माण से पहले संस्थान में 10 व्यवसाय संचालित हो रहे थे।

> **मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह संस्थान केवल प्रशिक्षण का केंद्र नहीं बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से पहले विद्यार्थियों में यह विश्वास जगाना आवश्यक है कि वे अपने हुनर के बल पर जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से ड्रॉपआउट रोकने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक छात्र की निरंतर उपस्थिति और प्रगति सुनिश्चित करना संस्थानों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।**

केजीएमयू में ओपीडी रजिस्ट्रेशन के लिए 400 मीटर लंबी लाइन

लखनऊ में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़े, गर्मी में लोग हो रहे परेशान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के निजी और सरकारी अस्पतालों में गर्मी से परेशान बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। OPD में पर्चा बनवाने से लेकर गंभीर मरीजों को भर्ती कराने तक लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। अस्पताल प्रशासन व्यवस्था ठीक होने का दावा कर रहा है, लेकिन मरीजों और तीमारदारों की दिक्कतें कम नहीं हो रही हैं। लोगों को लंबी-लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। KGMU, लोहिया संस्थान, सिविल, लोकबंधु, बलरामपुर, डफरिन और राम सागर मिश्र अस्पताल समेत बड़े सरकारी अस्पतालों में रोजाना 100 से ज्यादा ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं। KGMU में रजिस्ट्रेशन

के लिए सुबह से ही 400 मीटर लंबी लाइन लगी है। सिविल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ.राजेश श्रीवास्तव ने बताया- बढ़ते तापमान के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। बैक्टीरियल संक्रमण से पेट संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं।

अस्पताल की OPD में रोज करीब 100 बच्चे पहुंच रहे हैं, जिनमें आधे से अधिक बच्चे डायरिया और डीहाइड्रेशन से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में उल्टी, दस्त और बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से ही दवा दें और खुद से एंटीबायोटिक न खिलाएं।

रविकिशन ने कहा- यहां रोइंग चलत बा बाबू, सीएम ने कहा- ये यहां आ नहीं रहे थे

करप्शन का चश्मा हटाइए रामगढ़ताल स्पेन दिखेगा

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामगढ़ताल में आयोजित जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होने पहुंचे। सीएम ने रोइंग के दो फाइनल इवेंट देखे। इसके बाद विजेताओं को पुरस्कृत किया। वहीं इस दौरान रविकिशन ने विपक्ष के नेताओं को टारगेट करते हुए कहा- "यहां रोइंग चलत बा बाबू"। यह कहते हुए उनकी एक्टिंग पर खूब तालियां

सीएम ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

बजीं। मुख्यमंत्री के पास बैठे-बैठे भी उन्होंने यह एक्टिंग की। पहले रामगढ़ताल में करप्शन था, लूट थी, डकैत थे। मैं बार-बार इसे स्पेन कहता हूं तो गलत नहीं कहता। अपनी आंख से करप्शन का चश्मा हटाइए तब यह स्पेन दिखेगा।

"सीएम ने रविकिशन की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा- आज रविकिशन नहीं आ रहे थे, लेकिन दुबे जी (कुशीनगर के सांसद विजय दुबे) ने कहा कि उनकी जगह मैं आउंगा। यह यह प्रतियोगिता कुशीनगर में कराना चाहते थे। तब रविकिशन भी आ गए।

सीएम ने रविकिशन की चुटकी ली

रविकिशन की चुटकी लेते हुए उन्होंने कहा- आज रविकिशन नहीं आ रहे थे, लेकिन दुबे जी (कुशीनगर के सांसद विजय दुबे) ने कहा कि उनकी जगह मैं आउंगा। यह प्रतियोगिता कुशीनगर में कराना चाहते थे।

रामगढ़ताल अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका - सीएम योगी

सीएम ने कहा- यहां वाटर स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी विकसित हुआ है। रामगढ़ताल अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। आने वाले समय में यहां प्रतियोगिताएं होंगी। कामनवेल्थ खेल 2030 में अहमदाबाद में है। रोइंग की महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए गोरखपुर के रामगढ़ताल को चुना गया है। यहां अच्छे कोच, मैनेजर और एक्सपर्ट को यहां रखना होगा। जिससे भारत की टीम यहां मेडल ला सके। जिस उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले खेल सुविधाओं का नितांत अभाव था। वहीं आज हर गांव में खेल के मैदान हैं। हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम है। हर जनपद में स्टेडियम या तो बन चुके हैं या बन रहे हैं। गांव-गांव में प्रतियोगिताएं हो रही हैं। खेल और खेल की गतिविधियों के लिए लोगों में रुझान पैदा हुआ है।

सीएम ने खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती- सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा– मुझे खुशी है कि गोरखपुर की इस ऐतिहासिक रामगढ़ झील में जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री के एक भारत श्रेष्ठ भारत के विजन को आगे बढ़ाने का काम किया।

हिस्ट्रीशीटर की 5 गोली मारकर हत्या

फोन करके बुलाया, बातचीत की, दौड़ाकर बरसाईं गोलियां

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में गुरुवार सुबह 5 बजे हिस्ट्रीशीटर सक्षम पंडा (35) की हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने उसे फोन कर घर से 100 मीटर दूर बुलाया और उससे बातचीत की। इसके बाद हिस्ट्रीशीटर घर लौटकर सीढ़ियों पर खड़ा था, तभी स्कूटी से दोनों हमलावर वहां पहुंच गए। पीछे बैठे हमलावर ने तमंचा निकाला और हिस्ट्रीशीटर को एक गोली मार दी। गोली लगते ही वह गली में भागा, लेकिन आरोपियों ने उसका पीछा किया। 50 मीटर दूर जाकर उसे दूसरी गोली मारी। हिस्ट्रीशीटर गिर पड़ा, फिर उस पर ताबड़तोड़ तीन और गोलियां चलाई गईं। गोलियों की आवाज सुनकर घरवाले दौड़कर पहुंचे। उन्हें देखकर हमलावर फरार हो गए। घरवाले हिस्ट्रीशीटर को अस्पताल ले

सक्षम पंडा, मृतक

गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। घटना प्रयागराज शहर के मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र की है। घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने एक आरोपी भोले पंजाबी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि बुधवार को सक्षम ने संगम क्षेत्र में उसकी पूजा-पाठ की गुमटी में आग लगा दी थी। इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसलिए गुरुवार सुबह उसने सक्षम को बातचीत के लिए बुलाया। बातचीत के दौरान कहासुनी हो गई और इसी दौरान उसने गोली मार दी।

फास्ट न्यूज

भीषण गर्मी में चलती रोडवेज बस का ड्राइवर बेहोश

कानपुर। कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। भीषण गर्मी के बीच चलती रोडवेज बस का ड्राइवर अचानक बेहोश हो गया। चालक के नियंत्रण खोते ही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नाले पर चढ़ गई और सामने से आ रहे ई-रिक्शा लोडर को टक्कर मारते हुए होटल के सामने जाकर रुक गई।

यूपी में पंचायत चुनाव के लिए ओबीसी आयोग बना

उत्तर प्रदेश। यूपी सरकार ने पंचायत चुनाव के लिए राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग (ओबीसी आयोग) का गठन कर दिया है। आयोग का कार्यकाल 6 महीने का होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज राम औतार सिंह को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही आयोग में 2 रिटायर्ड अपर जिला जज (बृजेश कुमार, संतोष विश्वकर्मा) और 2 रिटायर्ड IAS (डॉ. अरविंद चौरसिया और एसपी सिंह) को शामिल किया गया है। आयोग की रिपोर्ट नवंबर 2026 तक आ सकती है। इसके बाद आरक्षण तय होगा। साफ हो गया है।

खाई में गिरी कार, 5 की मौत

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में एक कार करीब 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार नीचे गिरते समय एक पेड़ से टकराकर अटक गई। गहरी खाई होने की वजह से रेस्क्यू टीम को रस्सियों के सहारे नीचे उतरना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भवाली प्राथमिक अस्पताल भेजा गया।

फीस का दबाव बनाकर छात्रा को सुसाइड को उकसाया, 22 घंटों से धरने पर बैठे स्टूडेंट्स

आईआईएमटी यूनिवर्सिटी मेरठ के खिलाफ केस दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ की IIMT यूनिवर्सिटी के खिलाफ देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया गया। MBA छात्रा अनु की सुसाइड के बाद उसके पिता ओमकार गोयल ने पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर बेटी को प्रताड़ित करने और मानसिक दबाव बनाकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। इसी आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, छात्रा की मौत के बाद पिछले 22 घंटों से यूनिवर्सिटी गेट पर छात्रों का धरना जारी है। प्रदर्शन में IIMT के छात्रों के साथ बाहरी छात्र भी शामिल हैं। CCSU के छात्र नेता शान

अनु गुप्ता, मृतक

मोहम्मद और मेरठ कॉलेज के छात्र नेता विजित तालियान भी धरने में मौजूद हैं। छात्रों का कहना है कि जब तक मेरी मांगी नहीं मानी जाती है, तब हम नहीं हटेंगे। दरअसल, बुधवार सुबह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल की तीसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत हो गई थी। सहारनपुर निवासी छात्रा MBA फाइनल ईयर की स्टूडेंट थी। छात्रा की मौत के बाद यूनिवर्सिटी के छात्र बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए।

छात्रों ने आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी प्रशासन छात्र-छात्राओं के साथ बेहद खराब व्यवहार करता है और उनके साथ भेदभाव किया जाता था। इसी मानसिक तनाव के कारण कई स्टूडेंट्स आत्महत्या जैसे गलत कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

छात्रा का शव फर्श पर खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला। उसके सिर से काफी खून बह रहा था।

छात्रा की मौत के बाद से यूनिवर्सिटी स्टूडेंट हंगामा करने लगे थे।

खाद वितरण में टैगिंग एवं अनियमितता किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डीएम

अनुदानित उर्वरक के साथ गैर अनुदानित उत्पाद खरीदने का दबाव बनाने पर होगी कठोर कार्यवाही'

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। बीते दिनों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के लोकसभागार में खाद वितरण व्यवस्था के संबंध में जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं, कृषि विभाग एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने किसानों को समय से एवं निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के निर्देश दिए जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी थोक विक्रेता फुटकर विक्रेताओं को अनुदानित उर्वरक के साथ जिंक, सल्फर, पोटाश अथवा अन्य गैर अनुदानित उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा। यदि ऐसी शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध

कठोर विधिक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर अनुदानित उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है, जिसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी दुकानों पर संबंधित क्षेत्र के एसडीएम, सीओ एवं विभागीय अधिकारियों के मोबाइल नंबर अंकित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के साथ-साथ पूर्व में निरीक्षण करने वाले अधिकारी का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया।

हर 15 दिन में होगी रेंडम जांच, किसानों से लिया जाएगा फीडबैक

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक 15 दिन में उर्वरक बिक्री केंद्रों की रेंडम जांच कराई जाएगी तथा निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद किसानों से फीडबैक भी लिया जाएगा। सहकारिता विभाग के अधिकारियों को सहकारी समितियों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विकास खण्डों में समान रूप से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक बिक्री किसी भी दशा में न की जाए। सभी विक्रेता अपने प्रतिष्ठानों पर स्टॉक एवं रेट बोर्ड प्रदर्शित करें तथा बिक्री पंजिका, स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य अभिलेख अद्यतन रखें।

वेतन व आशा मानदेय भुगतान को प्राथमिकता, आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा की

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति (डीएचएस) की बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने चिकित्सकों के वेतन एवं आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय भुगतान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसका भुगतान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों और आमजन को समय पर उपचार मिल सके। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बजट प्राप्त हो गया है तथा एक सप्ताह के भीतर चिकित्सकों का वेतन एवं आशाओं का मानदेय उपलब्ध करा दिया

जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी सब सेंटरों पर स्वास्थ्य कार्मिक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा उनकी उपस्थिति का नियमित सत्यापन भी कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड निर्माण में सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शेष पात्र लाभार्थियों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों के कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें, जिससे जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क उपचार का लाभ मिल सके। टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने टीबी मरीजों को गोद लेने हेतु अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ही टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाया जा सकता है तथा "निक्षय मित्र" अभियान से अधिकाधिक लोगों को जोड़ा जाए। जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित 108 एवं 102 एम्बुलेंस सेवाओं की संख्या, उनके रिस्पॉन्स टाइम एवं संचालन व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि एम्बुलेंस हॉटस्पॉट स्थलों पर उपलब्ध रहें तथा आकस्मिक परिस्थितियों में तत्काल मौके पर पहुंचकर मरीजों को त्वरित सहायता प्रदान करें, ताकि आपातकालीन स्थिति में लोगों को समय पर उपचार मिल सके।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्रों पर एक्स-रे सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद एक्स-रे न किए जाने संबंधी शिकायतें प्राप्त नहीं होनी चाहिए। जिन स्वास्थ्य केंद्रों में एक्स-रे मशीन उपलब्ध है वहां मरीजों का एक्स-रे अनिवार्य रूप से किया जाए, जिससे मरीजों को अनावश्यक रूप से बाहर न जाना पड़े। 'अस्पतालों में स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर डीएम ने दिया विशेष जोर' स्वास्थ्य केंद्रों की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि तैनात सभी सफाई कर्मी नियमित रूप से उपस्थित रहकर साफ-सफाई सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह की 10 तारीख से पूर्व सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित कर लें। समीक्षा के दौरान विकास खंड हैदरगढ़ एवं सिद्धौर में निर्धारित अवधि में बैठक आयोजित न होने पर संबंधित अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बारात में कहासुनी के बाद दो पक्षों में पथराव, पुलिस ने संभाला मोर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में बुधवार को एक बारात के दौरान हुई कहासुनी ने विवाद का रूप ले लिया। जानकारी के अनुसार बारात के दौरान कुछ लोगों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद पास स्थित एक दुकान संचालक से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दुकान में तोड़फोड़ की घटना हुई और बाद में दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव भी हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक न्यूनतम बल प्रयोग करते हुए स्थिति को नियंत्रित कर शांति व्यवस्था स्थापित की। पुलिस की तत्परता से शादी समारोह को सकुशल संपन्न कराया गया। घटनाक्रम में दुकानदार पक्ष की एक 70 वर्षीय वृद्ध महिला घायल हो गईं, जिन्हें उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है तथा चिकित्सकीय निगरानी में उनका उपचार जारी है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि दोनों पक्षों से प्राप्त तहरीरों के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। साथ ही पथराव में शामिल लोगों के खिलाफ भी अलग से कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मौके से कई सीसीटीवी फुटेज एवं मोबाइल फोन से बनाए गए वीडियो पुलिस को प्राप्त हुए हैं, जिन्हें साक्ष्य के रूप में एकत्र कर विवेचना में शामिल किया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए तीनों विवेचनाएं क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। वहीं पथराव और तोड़फोड़ में शामिल लोगों के खिलाफ अलग से कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।मौके से मिले सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल फोन से बनाए गए वीडियो को पुलिस ने साक्ष्य के रूप में कब्जे में लिया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

नीट पेपर लीक केस ...

उधर, इस मामले में लगातार नए खुलासे भी हो रहे हैं। CBI जांच में पता चला है कि शिवराज लातूर में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था। RCC कोचिंग के संचालक शिवराज लातूर के खोपेगांव शिवार में 8 एकड़ जमीन पर स्कूल-कॉलेज खोलने की तैयारी में था। वहां बहुमंजिला इमारत का निर्माण तेजी से चल रहा था। CBI उसके फंडिंग स्रोत, जमीन खरीद और आर्थिक लेनदेन की भी जांच कर रही है। एजेंसी ने उसकी पत्नी और बेटे से भी पूछताछ की है। जांच एजेंसी को यह भी पता चला है कि गिरोह ने गेस पेपर को 5 से 50 लाख रुपए तक बेचा। यह गिरोह पेपर देने से पहले छात्र के परिवार की आर्थिक स्थिति देखते थे। इसके बाद रकम तय की जाती थी। सिर्फ टोकन मनी ली जाती थी। इसके लिए ब्लैंक चेक और छात्रों के डॉक्यूमेंट रख लेते थे। डील यह थी कि आंसर-की आने के बाद अगर यह साबित हो जाए कि दिया गया 'क्वेश्चन बैंक' असली पेपर से मेल खाता है, तब बाकी रकम ली जाएगी। परीक्षा के बाद कई परिजन ने पैसे देने से इनकार करना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि फिजिक्स के कुछ सवाल मेल नहीं खा रहे। कुछ ने आधी रकम दी और बाकी रिजल्ट के बाद देने की बात कही। IB से इनपुट मिलने के बाद 8 मई की रात राजस्थान SOG ने कार्रवाई शुरू की। उस समय भी गिरोह खरीदारों से पैसे वसूलने में जुटा था। सीकर में पेपर खरीदने वाले एक छात्र से पूछताछ के दौरान ही उसके पास पैसे मांगने के लिए दलाल का फोन आया। CBI ने पेपर खरीदने वाले छात्रों के यहां छापेमारी की, जहां यही पैटर्न सामने आया। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपी मांगीलाल खटीक, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल, यश यादव और धनंजय लोखंडे को 2 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शुभम खैरनार की CBI रिमांड 5 दिन बढ़ा दी गई। कोर्ट ने मनीषा मांढरे और मोटेगांवकर के हस्ताक्षर के नमूने लेने की भी अनुमति दी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को नीट के दोबारा पेपर की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने फर्जी टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया पर पेपर लीक से जुड़े भ्रामक दावे फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। NEET-UG परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर आयोजित हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। NTA के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसके बाद मामला केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा गया। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया।

यूपी में 9 ...

आलोक सिंह लखनऊ में किसी ऐसी जगह पोस्टिंग चाह रहे थे, जिससे मुख्यमंत्री को रिपोर्ट कर सकें। सूत्रों का कहना है कि वे चाहते थे कि इंटेलिजेंस में उन्हें पोस्टिंग मिले। लेकिन, सरकार ने उन्हें पीएसी में तैनाती दे दी। डीके ठाकुरः मेरठ जोन से हटने के बाद अभी तक डीके ठाकुर को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। उन्हें पहले एसएसएफ का एडीजी बनाया गया। वहीं पर उनका प्रमोशन हुआ, तो डीजी बना दिया गया। बाद में नागरिक सुरक्षा का डीजी बनाते हुए उन्हें एसएसएफ की अतिरिक्त जिम्मेदारी दे दी गई। अब उन्हें होमगार्ड विभाग का डीजी बनाते हुए नागरिक सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। आरके स्वर्णकारः ये मुख्यमंत्री की नाराजगी के बाद कानपुर पुलिस कमिश्नर के पद से हटाए गए थे। इन्हें पीटीसी सीतापुर भेजा गया था। बाद में इनकी पोस्टिंग पीएसी में हो गई थी। अब उन्हें पीएसी से हटाकर पावर कॉर्पोरेशन भेज दिया गया है। अनुपम कुलश्रेष्ठः आगरा में बीते 3 साल से तैनात थीं। अब उन्हें कानपुर जोन का एडीजी बनाया गया है। अनुपम कुलश्रेष्ठ लंबे समय तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रह चुकी हैं। एडीजी जोन आगरा अनुपम कुलश्रेष्ठ की जगह एसके भगत को आगरा जोन का एडीजी बनाया गया है। एसके भगत अभी तक लखनऊ में अपर पुलिस महानिदेशक अपराध के पद पर तैनात थे। गीता सिंह 2007 बैच की आईपीएस अफसर हैं। अभी वे पुलिस महानिरीक्षक, अभियोजन उत्तर प्रदेश के पद पर काम कर रही थीं। उन्हें पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण निदेशालय लखनऊ बनाया गया है। जय नारायण सिंहः 1994 बैच के आईपीएस जय नारायण सिंह अभी तक डीजी/एडीजी यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड में कार्यरत थे। अब उन्हें पुलिस महानिदेशक ईओडब्ल्यू लखनऊ के पद पर भेजा गया है। 1996 बैच के आईपीएस एसके भगत अभी तक एडीजी अपराध के पद पर कार्यरत थे। उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विनोद कुमार सिंह, जिनके पास पहले से सीआईडी और साइबर क्राइम की जिम्मेदारी थी, उन्हें अब यूपी 112 की भी जिम्मेदारी दी गई है। डीके ठाकुर, जिनके पास नागरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, उन्हें डीजी होमगार्ड बनाकर नागरिक सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह सतीश गणेश को यातायात के साथ एडीजी क्राइम बनाया गया है। DG पावर कॉर्पोरेशन जय नारायण सिंह को ईओडब्ल्यू और आरके स्वर्णकार को पीएसी से पावर कॉर्पोरेशन का DG बनाया गया है। आईजी अभियोजन गीता सिंह को प्रशिक्षण निदेशालय में नई जिम्मेदारी बतौर आईजी दी गई है।

कॉकरोच जनता पार्टी ...

उन्होंने कहा था कि उनकी टिप्पणी खास तौर पर फर्जी और नकली डिग्री के जरिए कानूनी पेशे में आने वाले लोगों के लिए थी।अभिजीत अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन की मास्टर डिग्री कर रहे हैं। वो 2020 से 2023 तक आम आदमी पार्टी (AAP) की सोशल मीडिया टीम में वॉलंटियर भी रह चुके हैं। उन्होंने BBC को बताया, 'मैं X पर CJI का बयान देख रहा था, जहां पर वो सिस्टम की आलोचना करने और राय देने के लिए देश के युवाओं की तुलना कॉकरोच और परजीवियों से कर रहे थे। सोशल मीडिया पर मैंने इस पर अपनी राय दी। मैंने पूछा कि सब कॉकरोच एक साथ आ जाएं तो क्या होगा। मुझे Gen Z और 25 साल तक के युवाओं के कमाल के जवाब मिले। उन्होंने कहा कि हमें साथ आना चाहिए और एक प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए। फिर क्या था मैंने CJP बना ली। दिल्ली में कुछ लोग कॉकरोच की पोशाक पहनकर यमुना किनारे सफाई करते नजर आए। समर्थकों का कहना है कि यह आंदोलन फिलहाल चुनाव लड़ने से ज्यादा युवाओं के बीच राजनीतिक जागरूकता फैलाने पर केंद्रित है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी के बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुई 'कॉकरोच जनता पार्टी' युवाओं के गुस्से का प्रतीक बनती जा रही है। पेपर लीक, भर्ती में देरी और सीमित सरकारी नौकरियों के कारण छात्र और नौकरी की तैयारी कर रहे युवा पहले से ही नाराज हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को अपनी पैरासाइट और कॉकरोच वाली टिप्पणी पर सफाई दी। उन्होंनें कहा, 'मेरी टिप्पणी खास तौर पर उन लोगों के लिए थी, जो फर्जी और नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में आ गए हैं। मीडिया, सोशल मीडिया और दूसरे सम्मानित पेशों में भी ऐसे लोग घुस आए हैं। वे परजीवियों जैसे हैं।

लखनऊ मेयर ...

इसमें आरोप लगाया था कि भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार शुक्ला ने नामांकन पत्र दाखिल करते समय निर्वाचन प्रपत्रों में कुछ जरूरी जानकारियां नहीं दी थीं। ये जानकारियां देना कानूनन जरूरी था। याचिका में यह भी कहा गया था कि नामांकन प्रक्रिया में की गई यह चूक चुनावी नियमों का उल्लंघन है। इसे कदाचार की श्रेणी में माना जाना चाहिए। इसी आधार पर प्रदीप कुमार शुक्ला के निर्वाचन को चुनौती दी गई थी। साथ ही चुनाव परिणाम निरस्त करने की मांग की गई थी। वार्ड-73 फैजुल्लागंज (तृतीय) के पार्षद का विवाद 13 मई, 2023 को लखनऊ के अपर जिला जज की कोर्ट तक पहुंचा था। करीब ढाई साल तक चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने निर्वाचन के समय दाखिल एफिडेविट, शपथ पत्र और निर्वाचन फार्म की समीक्षा रिपोर्ट के आधार पर फैसला सुनाया था।

फाइनल में जर्मनी के फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया, मैनेजर उनाई एमेरी ने पांचवीं बार जीता खिताब

एस्टन विला 30 साल बाद बनी यूरोपा लीग चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब एस्टन विला ने इस्तांबुल में खेले गए यूरोपा लीग फाइनल में जर्मनी के एससी फ्रीबर्ग को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ क्लब ने ट्रॉफी जीतकर फैंस का 30 साल का इंतजार खत्म किया।

एस्टन विला ने 1996 के बाद पहली बड़ी घरेलू ट्रॉफी और 1982 के बाद पहली बड़ी यूरोपीय ट्रॉफी जीती। टीम की सफलता में मैनेजर उनाई एमेरी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने रिकॉर्ड पांचवीं बार यूरोपा लीग का खिताब जीता।

एस्टन विला इस्तांबुल में सफेद जर्सी पहनकर उतरी, जैसी उसने 1982 में रॉटरडैम में पहनी थी। 1982 की विजेता टीम के हीरो पीटर विथ और डेनिस मॉर्टिमर भी स्टैंड्स में मौजूद थे।

ब्रिटिश शाही परिवार के प्रिंस विलियम और हॉलीवुड एक्टर टॉम हैंक्स ने भी जीत का जश्न मनाया।

टॉम हैंक्स ने मैच से पहले टीम के लिए खास सपोर्ट मैसेज भेजा था।

इसके बाद विला ने लगातार हमले किए और हाफ-टाइम से पहले पहला गोल दागकर बढ़त बना ली।

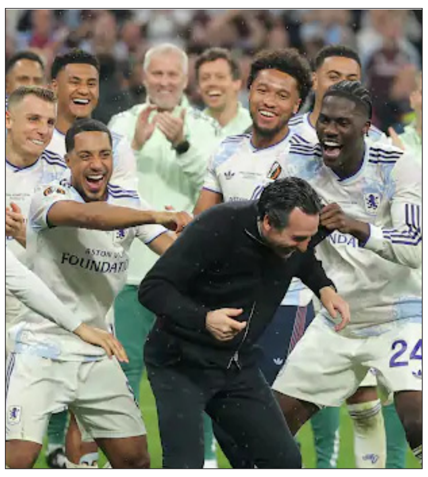

■ जीत के बाद एस्टन विला के खिलाड़ी टीम के मैनेजर उनाई एमेरी को बधाई देते हुए।

66 फ्रीबर्ग पहले गोल से उबर भी नहीं पाया था कि कुछ मिनट बाद एस्टन विला ने दूसरा गोल कर दिया। एमिलियानो बुएंडिया ने डी-एरिया के बाहर से शॉट खेला, जो गोल पोस्ट के कोने में गया।

टाईलेमैंस और बुएंडिया ने पहले हाफ में दागे दो बैक-टू-बैक गोल

पहले हाफ में दोनों टीमें गोलरहित बराबरी पर थीं, तभी एस्टन विला ने फ्रीबर्ग के डिफेंस को भेद दिया। कॉर्नर पर मॉर्गन रोजर्स ने पेनल्टी एरिया में सटीक क्रॉस दिया, जिसे यूरी टाईलेमैंस ने गोल में बदल दिया। यह टाईलेमैंस का पूरे सीजन में दूसरा गोल था। उन्होंने दिसंबर के बाद पहला गोल फाइनल में दागा।

उसी जर्सी में उतरी टीम, प्रिंस विलियम और टॉम हैंक्स ने मनाया जश्न

बर्मिंघम के इस क्लब के लिए यह जीत भावुक और ऐतिहासिक रही। एस्टन विला ने आखिरी बार 1996 में लीग कप जीता था, जब टीम ने बायर्न म्यूनिख को हराया था। फाइनल की शुरुआत से ही एस्टन विला ने खेल पर कंट्रोल बनाए रखा।

शुरुआती मिनटों में मॉर्गन रोजर्स ने फ्रीबर्ग के गोलकीपर नूह अतुबोलू को शानदार शॉट से सतर्क कर दिया था।

■ एस्टन विला के खिलाड़ी जीत के बाद खुशी मनाते हुए।

दूसरे हाफ में रोजर्स ने किया तीसरा गोल, फ्रीबर्ग को वापसी का मौका नहीं मिला

हाफ-टाइम के बाद एस्टन विला ने फ्रीबर्ग को वापसी का मौका नहीं दिया। मॉर्गन रोजर्स ने 58वें मिनट में टीम के लिए तीसरा और निर्णायक गोल दागा। रोजर्स ने एमिलियानो बुएंडिया के क्रॉस पर स्लाइड करते हुए गेंद को नेट में पहुंचाया। इसके साथ विला की 3-0 की बढ़त पक्की हो गई और मैच फ्रीबर्ग के हाथ से निकल गया।

फिल सॉल्ट इस हफ्ते आईपीएल में वापसी करेंगे

आरसीबी के ओपनर को उंगली में चोट लगी थी, इलाज के लिए इंग्लैंड गए थे

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ओपनर फिल सॉल्ट फिंगर इंजरी के बाद इस हफ्ते भारत लौट रहे हैं। 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उन्हें फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। सॉल्ट के बाएं हाथ की उंगली में इंजरी थी। इसके बाद वह इलाज के लिए अपने देश इंग्लैंड लौट गए थे। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग की। हालांकि बेथेल का प्रदर्शन खराब रहा। वह 7 पारियों में सिर्फ 96 रन बना सके हैं, जिसमें 27 रन उनकी बेस्ट पारी रही है। इसके बावजूद बेथेल 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ RCB के लीग का आखिरी मुकाबला खेल सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सॉल्ट ने IPL में फॉर्म में

वापसी की थी। उन्होंने इस सीजन 6 पारियों में 168.33 की स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। पिछले सीजन टीम की खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने 2025 में 175.98 की स्ट्राइकर रेट से 403 रन बनाए थे। रेगुलर कप्तान रजत पाटीदार हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्हें पिछले हफ्ते कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में हेलमेट पर चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने अगला मुकाबला नहीं खेला था। उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कप्तानी की थी।

कोलकाता की प्लेऑफ उम्मीदें बरकरार, छठे स्थान पर पहुंची

चेन्नई को आज जीतना जरूरी, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली भी रेस में

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 के प्लेऑफ का रोमांच और बढ़ गया है। बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर अपनी प्लेऑफ उम्मीदें जिंदा रखीं। टीम के अब 13 मैचों में 13 पॉइंट्स हो गए हैं और वह छठे स्थान पर पहुंच गई है। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस को सीजन की 9वीं हार मिली। टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। मुंबई 13 मैचों में 8 पॉइंट्स के साथ नौवें स्थान पर है। अब चौथे स्थान के लिए राजस्थान, पंजाब, चेन्नई, कोलकाता और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला बना हुआ है। चेन्नई आज गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी और टीम को हर हाल में जीत चाहिए। मुंबई पर जीत के बाद कोलकाता प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। टीम के 13 मैचों में 13 पॉइंट्स

हैं और दो स्थान ऊपर छठे पायदान पहुंच गई हैं। टीम का आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से है। KKR को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए यह मैच जीतना होगा, साथ ही राजस्थान और पंजाब के हारने की भी उम्मीद करनी होगी। चेन्नई 13 मैचों में 12 पॉइंट्स के साथ सातवें स्थान पर आ गई हैं। टीम को कोलकाता की जीत से एक पायदान का नुकसान हुआ है। चेन्नई का मुकाबला आज गुजरात टाइटंस से होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए CSK को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। हार के साथ टीम का सफर खत्म हो जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 18 पॉइंट्स और +1.065 नेट रनरेट के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। अगर नेट रनरेट में बड़ा उलटफेर नहीं हुआ तो RCB का क्वालिफायर-1 खेलना तय है। गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद 16-16 पॉइंट्स के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। गुजरात का आखिरी मुकाबला चेन्नई से है। टीम यहां जीत दर्ज करती है तो 18 पॉइंट्स के साथ क्वालिफायर-1 खेल सकती है। वहीं हैदराबाद का सामना बेंगलुरु से होगा। SRH को टॉप-2 में जगह बनाने के लिए RCB को बड़े अंतर से हराना पड़ सकता है। राजस्थान रॉयल्स 14 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है।

पत्नी के आधार पर मिला यूके पासपोर्ट, आईपीएल से मंजूरी मिलने पर ऑक्शन में करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद आमिर ब्रिटिश नागरिक बने

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई है। उनकी पत्नी नरजिस खान ब्रिटिश नागरिक हैं और इसी आधार पर उन्होंने कुछ साल पहले नागरिकता के लिए आवेदन किया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें UK पासपोर्ट जारी कर दिया गया।

हालांकि, वह IPL में खेल पाएंगे या नहीं, इसे लेकर संशय है। IPL नियमों के तहत मंजूरी मिलने पर वह ब्रिटिश नागरिकता के आधार पर विदेशी खिलाड़ी कैटेगरी में ऑक्शन के लिए रजिस्टर कर सकते हैं।

हालांकि, IPL में खेलना इस पर निर्भर करेगा कि कोई फ्रेंचाइजी उन्हें खरीदती है या नहीं। हालांकि, इंग्लैंड में घरेलू खिलाड़ी का दर्जा पाने के नियम अलग हैं। काउंटी क्रिकेट के मुताबिक सिर्फ ब्रिटिश नागरिक होना काफी नहीं है।

खिलाड़ी ने पिछले 12 महीनों में इंग्लैंड के बाहर किसी फुल मेंबर देश के लिए प्रोफेशनल क्रिकेट नहीं खेला होना चाहिए। यहीं आमिर का मामला उलझता नजर आता है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में रावलपिंडी के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर खेला था।ऐसे में सिर्फ UK पासपोर्ट मिलने से उन्हें तुरंत इंग्लैंड में लोकल खिलाड़ी का दर्जा नहीं मिलेगा। वह 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय बल्लेबाजों के विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था।

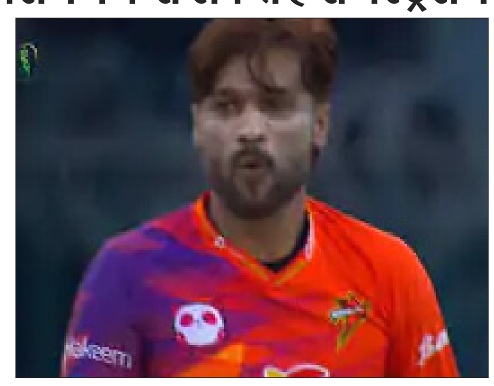

■ आमिर ने PSL 2026 में रावलपिंडी की ओर से खेला।

2024 में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद दूसरी बार संन्यास लिया

आमिर ने 2020 में संन्यास लिया था, फिर 2024 में वापसी की थी। लेकिन 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टीम से ड्रॉप होने पर फिर संन्यास ले लिया। उन्होंने आखिरी टी-20 मैच 2024 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। आमिर पाकिस्तान के लिए 36 टेस्ट, 61 वनडे और 62 टी-20 मैच खेल चुके हैं। वह 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। फाइनल में उन्होंने रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन जैसे भारतीय बल्लेबाजों के विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया था।

मनोरंजन

बोल्ड सीन पर आपत्तिजनक कमेंट देख भड़कीं कुनिका

मारो-जला दो, कत्ल करो, अमरीश पुरी के साथ रोमांस करती दिखी थीं

मुबंई, एजेंसी

लगातार राजनैतिनक मुद्दों पर राय रखने वालीं कुनिका सदानंद तब भड़क गईं, जब कुछ लोगों ने उनके पुराने बोल्ड सीन पर उन पर आपत्तिजनक कमेंट करना शुरू कर दिया। बात इतनी बढ़ गई कि कुनिका ने ये तक कह दिया कि भारत में औरतों को जलील करना और मार डालना पाप है। वायरल किए जा रहे वीडियो में कुनिका सदानंद एक फिल्मी सीन में अमरीश पुरी के साथ पूल में रोमांस करती दिखी थीं। इसे शेयर कर एक यूजर ने लिखा, ये कुनिका हैं, जो आदर्श के झंडे उठाती हैं और मोदी जी को हर रोज गालियां

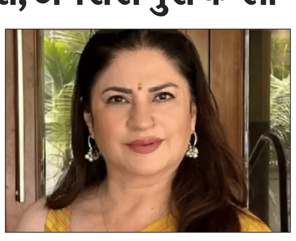

देती हैं। इस ट्वीट के जवाब में कुनिका ने पहले तो सफाई देकर लिखा, 'ये रोल है बेवकूफ। इसे एक्टिंग कहते हैं।' इसके बावजूद भी उस वीडियो पर कई आपत्तिजनक और अभद्र भाषा वाले कमेंट आते रहे। इस पर भड़ककर कुनिका ने लिखा, 'इस देश में औरत होना पाप हो गया है। औरतों को मारो, जला दो, कत्ल कर दो, रेप कर दो, उनको गाली दो, लांछन लगाओ, भ्रूण हत्या करो, तौहीन करो, उनका हक और उनसे मौका छीनों। ये सब जायज है हमारे नए भारत में।' विवाद के बीच कई लोग ऐसे भी रहे जो कुनिका का बचाव करते दिखे। एक महिला ने कुनिका के बचाव में लिखा, 'किसी एक्ट्रेस के पुराने सीन को लेकर उसे सार्वजनिक रूप से सेक्शुअलाइज करना, मजाक उड़ाना और गंदी बातें करना सनातन संस्कृति नहीं, बल्कि साफ तौर पर औरतों के प्रति घटिया सोच और मिसोजिनी है।' 'जो लोग हर समय संस्कार और परंपरा की बातें करते हैं।

झूठे आरोप और जेल की दर्दनाक कहानी पर आधारित है फिल्म

बॉबी देओल की 'बंदर' का ट्रेलर रिलीज

मुबंई, एजेंसी

बॉबी देओल अपने करियर की दूसरी पारी में लगातार अलग और चुनौतीपूर्ण किरदारों से दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। अब वह निर्देशक Anurag Kashyap की फिल्म Bandar में एक बेहद इंटेंस रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर की शुरुआत बॉबी देओल के किरदार से होती है, जो अपने से कम उम्र की लड़कियों को डेट करता दिखाई देता है। कहानी में बड़ा मोड़ तब आता है, जब उसकी मुलाकात एक लड़की से होती है और उसके बाद उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि बॉबी का किरदार खुद को बेगुनाह बताता है, लेकिन उसकी बात सुनने वाला कोई नहीं होता। Bandar 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

> **"ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म की कहानी दुष्कर्म के झूठे आरोप और उसके बाद एक व्यक्ति की जिंदगी पर पड़ने वाले असर के इर्द-गिर्द घूमती है। बॉबी देओल का किरदार जेल पहुंच जाता है, जहां उसे कई दर्दनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ट्रेलर में उनकी दमदार एक्टिंग और अलग-अलग इमोशनल शेड्स दर्शकों को प्रभावित करते हैं।"**

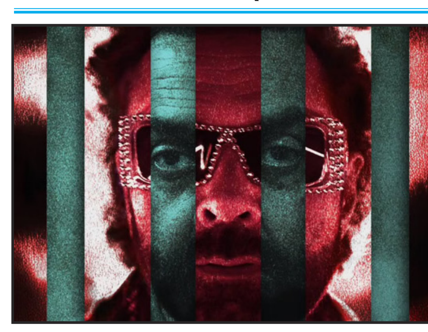

दमदार स्टारकास्ट से सजी है फिल्म

फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है, जबकि इसकी कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निर्माता निखिल द्विवेदी हैं। फिल्म में बॉबी देओल के साथ Sanya Malhotra, Saba Azad, सपना पब्बी, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

कुछ देर बाद उन्होंने आधिकारिक एक्स अकाउंट से एक-एक कर 4 पोस्ट कीं। पहली पोस्ट में उन्होंने लिखा, "अगर मैं किसी प्रेस वाले को अस्पताल में मेरी पीड़ा का मजा लेते देखूं। उस प्रेस वाले के लिए मैंने खड़ा होकर बात की है, उनका ध्यान रखा है ताकि वो भी अपनी रोजी-रोटी कमा सकें।"चाहते हैं, तो करते रहें।

सलमान खान को पैपराजी ने घेरा

नाराजगी पर चिल्ला-चिल्लाकर बोला- सॉरी भाईजान, फिर एक्टर ने दिए पोज, पहले कहा था- ऐसे सौ जला दूंगा

मुबंई। सलमान खान हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे, जहां से निकलते हुए पैपराजी के शोर से एक्टर भड़क गए। उन्होंने पैपराजी को जमकर खरी-खोटी सुनाई और फिर बाद में सीरीज में पोस्ट शेयर कर सभी को चेतावनी दी थी। हालांकि अब ये विवाद खत्म हो चुका है। हाल ही में सलमान खान, फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे थे, जहां सभी पैपराजी ने उनसे माफी मांगी है। सलमान जैसे ही पार्टी में पहुंचे, वैसे ही सभी पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और माफी मांगने लगे।

सभी एक साथ, सॉरी भाईजान, जोर से बोलो सॉरी, कहते दिखे। इसके बाद सलमान ने भी उनकी माफी कबूल कर ली। आखिर में सलमान खान ने लिखा, "साठ साल का हो गया हूं लेकिन लड़ना नहीं भूला, ये याद रख लेना, जेल में डालोगे हाहा हाहा।"

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान की नाराजगी के बाद पैपराजी उनसे माफी मांगते

दिखे हैं। इस दौरान सलमान ने कुछ अपशब्द भी कहे। बता दें कि ये हाल-फिलहाल का इकलौता मामला नहीं है। इससे पहले गोविंदा के बॉडीगार्ड्स की भी पैपराजी से बहस हो चुकी है।

दरअसल, गोविंदा सोमवार को एक इवेंट में पहुंचे थे। वहां से निकलते हुए उन्हें पैपराजी ने घेर लिया। जब उनके गार्ड्स ने निकलने की जगह बनाने के लिए लोगों को पीछे किया, तो पैपराजी ने आरोप लगाया कि उन्हें धक्का दिया गया। विवाद बढ़ने पर गोविंदा को खुद बीच-बचाव करना पड़ा।

■ **फिल्म राजा शिवाजी के लीड एक्टर और डायरेक्टर रितेश देशमुख भी सलमान के साथ मौजूद रहे।**

क्यों हुआ था विवाद?

सलमान खान मंगलवार को अपनी सिक्योरिटी टीम के साथ हिंदुजा हॉस्पिटल से निकल रहे थे। उन्हें देखते ही पैपराजी ने उनकी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि चिल्लाना शुरू कर दिया। सलमान करीब आए और सभी को सुनाने लगे। तीसरी पोस्ट में सलमान लिखते हैं, "ऐसे मैं सौ जला दूंगा। भाई का एक भाई के दुख पर अगली बार कोशिश कर लेना मेरे साथ। बस कोशिश कर लेना, जब भी तुम्हारा कोई अस्पताल में होगा, क्या मैं ऐसा रिएक्ट करूंगा?"

धुरंधर मूवी फेम सिंगर का माथा लहूलुहान

खान साब ने शूटिंग के दौरान सिर में कांच मारा

जालंधर, एजेंसी

धुरंधर-2 के 'जान से गुजरते हैं' सॉन्ग फेम पंजाब के सिंगर खान साब अपने नए गीत पागल नईं होणा की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। एक सीन के दौरान उन्होंने अपना सिर कांच में मारा। इससे कांच उनके माथे में चुभ गया और वह लहूलुहान हो गए। उनके माथे पर टांके लगे हैं। क्रू मेंबर ने उनको संभाला और टिशू पेपर से खून को साफ किया। चोट लगने के बाद भी खान साब जोशिले अंदाज में नजर आए। उन्होंने क्रू मेंबर को कहा कि कुछ नहीं हुआ। मुझे छोड़ दें और प्लेबैक दिखाएं। बुधवार (20 मई) को दोपहर बाद पौने 3 बजे खान साब ने शूटिंग के दौरान हुई इस घटना को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। वीडियो में उनके

माथे से खून बहता दिख रहा है। हालांकि ये घटना कहां और किस तारीख को हुई, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। सिंगर खान साब ने कहा कि मैं किरदार में पूरी तरह डूब चुका था। यही जुनून और सच्चाई इस गाने को सबसे अलग और खतरनाक बनाती हैं। इस शॉट के लिए मैं अपने परिवार से माफी मांगता हूं। आगे इसका ध्यान रखूंगा। अपने किरदार में बहुत डूब चुका था: सिंगर ने कहा कि मैं अपने किरदार में बहुत डूब चुका था।

'सिर्फ जन्मजात अमेरिकी ही संभालें सत्ता'

अमेरिकी संसद ने प्रस्ताव पेश, जमकर हो रहा विरोध

संशोधन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में प्राकृतिक रूप से नागरिकता हासिल करने वाले लोगों के अधिकारों को लेकर नई बहस छिड़ गई है। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने एक संवैधानिक संशोधन प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें प्राकृतिक रूप से अमेरिकी नागरिक बने लोगों को कांग्रेस सदस्य, संघीय न्यायाधीश और सीनेट की पुष्टि वाले महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त होने से रोकने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव को लेकर डेमोक्रेटिक नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे नस्लवादी, घृणित और विदेशी मूल के लोगों के खिलाफ बताया है। प्राकृतिक रूप से नागरिकता का मतलब है कि कोई व्यक्ति जन्म से उस देश का नागरिक न हो, लेकिन बाद में कानूनी प्रक्रिया

पूरी करके उस देश की नागरिकता हासिल कर ले। हालांकि, इस प्रस्ताव का असर केवल डेमोक्रेट्स तक सीमित नहीं रहेगा। अमेरिका की कांग्रेस में ऐसे 26 सदस्य हैं जो विदेश में जन्मे हैं, जिनमें कुछ रिपब्लिकन सांसद भी शामिल हैं। वहीं, भारतीय मूल के एक अन्य सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह प्रस्ताव नैतिक रूप से गलत है और इसके पीछे छिपी नफरत तथा कट्टरता के खिलाफ सभी को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। डेमोक्रेटिक सांसद सुजैन बोनामिसी ने भी मेस की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस में कई विदेशी मूल के सदस्य हैं, लेकिन मेस ने केवल रंगभेद और प्रगतिशील विचारधारा वाले तीन डेमोक्रेटिक नेताओं को निशाना बनाया। उन्होंने इसे नस्लवादी और घृणित राजनीति करार दिया। इसके अलावा कांग्रेस एशियाई प्रशांत अमेरिकी कॉकस और डेमोक्रेटिक महिला कॉकस ने भी मेस के प्रस्ताव की निंदा की। दोनों संगठनों ने कहा कि यह कदम उन नेताओं को निशाना बनाने की कोशिश है, जो लंबे समय से अपने समुदायों और अमेरिकी लोकतंत्र की सेवा कर रहे हैं।

लोगों की निष्ठा अमेरिका के प्रति होनी चाहिए- मेस

मेस ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका के कानून लिखने वाले, न्यायाधीशों की पुष्टि करने वाले और दुनिया के सामने अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों की निष्ठा सिर्फ अमेरिका के प्रति होनी चाहिए, किसी दूसरे देश के प्रति नहीं। उन्होंने खास तौर पर इल्हान उमर का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ नेताओं की वफादारी अमेरिका से बाहर दिखाई देती है।

मेम ने क्या बताया?

साउथ कैरोलिना की सांसद मेस ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय से लंबित संवैधानिक संशोधन पेश किया है। उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति बनने के लिए पहले से ही नेचुरल बॉर्न सिटिजन यानी जन्म से अमेरिकी नागरिक होना जरूरी है, इसलिए यही नियम कांग्रेस, संघीय अदालतों और सीनेट से मंजूर होने वाले पदों पर भी लागू होना चाहिए। मेस ने अपने पोस्ट में डेमोक्रेटिक सांसदों इल्हान उमर, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार की तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें उमर सोमालियाई मूल की अमेरिकी हैं, जबकि जयपाल और थानेदार भारतीय मूल के नेता हैं।

हो रही कड़ी आलोचना

डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की। भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल ने इसे संकीर्ण सोच, विदेशी विरोधी मानसिकता और अमेरिका के इतिहास का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक नस्लवाद से प्रेरित है और कांग्रेस में इसकी कोई जगह नहीं होनी चाहिए। भारतीय मूल के सांसद श्री थानेदार ने भी मेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो लोग मेहनत करके अमेरिका आए और देश के लिए योगदान दे रहे हैं, उन पर निशाना साधने से पहले अपने व्यवहार को ठीक कीजिए।

सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 75,100 पर कारोबार कर रहा

आईटी और एफएमसीजी शेयर्स में ज्यादा बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

BSE Sensex और NIFTY 50 में गुरुवार 21 मई को शुरुआती कारोबार के दौरान हल्की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 100 अंकों की बढ़त के साथ 75,400 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी लगभग 50 अंक मजबूत होकर 23,700 के पार पहुंच गया। हालांकि बाजार में तेजी के बावजूद कुछ सेक्टर्स में दबाव बना हुआ है। खासतौर पर आईटी और FMCG शेयरों में बिकवाली देखने को मिली। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक संकेतों और निवेशकों की सतर्क रणनीति के बीच घरेलू बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। निवेशकों की नजर अब दिनभर के कारोबार, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय बाजार के संकेतों पर बनी हुई है।

फास्ट न्यूज

पीएम की अपील के बाद घरेलू पर्यटन में वृद्धि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने की अपील का असर देश के ट्रैवल सेक्टर में दिखाई दे रहा है। कश्मीर, लक्षद्वीप, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, केरल और उत्तर बंगाल जैसे घरेलू पर्यटन स्थलों की मांग तेजी से बढ़ी है, जबकि विदेशी यात्राओं से जुड़ी पूछताछ में गिरावट दर्ज की गई है। इंटरसिटी स्मार्टबस के डेटा के मुताबिक देहरादून, मनाली, गोवा, तिरुपति और उज्जैन जैसे प्रमुख पर्यटन और तीर्थयात्रा मार्गों पर बुकिंग में करीब 30–35% की वृद्धि दर्ज हुई है।

क्रिस्टीज ने एक रात में बेचीं 10642 करोड़ की कलाकृतियां

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के ऑक्शन हाउस 'क्रिस्टीज' ने इतिहास रच दिया। सोमवार शाम महज 40 मिनट की नीलामी में 6095 करोड़ से अधिक की कलाकृतियां बिक गईं। नीलामी घर ने एक ही शाम में 1.1 अरब डॉलर(10,642 करोड़ रुपए) से अधिक की कलाकृतियाँ बेचकर जैक्सन पोलॉक, कॉन्स्टेंटिन ब्रांकुसी और मार्क रोथको की कृतियों के लिए नए रिकॉर्ड स्थापित किए। इस ऐतिहासिक नीलामी में दिवंगत मीडिया दिग्गज एसआई न्यू हाउस के कलेक्शन से जुड़ी 16 दुर्लभ कलाकृतियों को पेश किया गया।

ओला को मार्च तिमाही में 500 करोड़ का घाटा

मुंबई। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुई चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2025–26 (FY26) के वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी को मार्च तिमाही (जनवरी–मार्च) में 500 करोड़ का घाटा हुआ है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 870 करोड़ का घाटा हुआ था, यानी सालाना आधार पर कंपनी ने अपने घाटे को 42 .5% कम किया है। सालाना आधार पर सुधार के बावजूद पिछली तिमाही के मुकाबले कंपनी की स्थिति कमजोर हुई है।

ट्रंप प्रशासन के सख्त रुख के बीच अमेरिकी नौसेना की बड़ी तैनाती

अमेरिका-क्यूबा तनाव बढ़ा, कैरेबियन में पहुंचा यूएसएस निमित्ज़ स्ट्राइक ग्रुप

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है। अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान

और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और USNS पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान (Southcom) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है। 1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था।

मार्को रुबियो का स्पेनिश संदेश

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी। इस बयान के बाद कूटनीतिक गलियारों में तनाव और बढ़ गया है।

ग्रीनलैंड में पहाड़ टूटने से उठी सुनामी तरंगों ने नौ दिन हिलाई थी धरती

ग्रीनलैंड, एजेंसी

लगातार नौ दिनों तक दर्ज वैश्विक भूकंपीय तरंगों का रहस्य वैज्ञानिकों ने सुलझा लिया है। अध्ययन से पता चला है कि ग्रीनलैंड के डिक्सन फियोर्ड में सितंबर 2023 में पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटकर जलक्षेत्र में गिरने से करीब 650 फीट ऊंची अनुमानित मेगा-सुनामी पैदा हुई थी, जिसके असर से दुनिया भर में लगातार 9 दिनों तक भूकंपीय संकेत दर्ज किए गए। वैज्ञानिकों के अनुसार यह घटना जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती भू-वैज्ञानिक अस्थिरता का गंभीर संकेत है। डिक्सन फियोर्ड ग्रीनलैंड के पूर्वी हिस्से में स्थित एक संकरा समुद्री जलमार्ग है, जो ऊंची चट्टानों और ग्लेशियरों से घिरा हुआ है। फियोर्ड दरअसल समुद्र की ऐसी लंबी और संकरी खाड़ी को कहा जाता है, जो हजारों वर्षों पहले

ग्लेशियरों द्वारा चट्टानों को काटकर बनाई गई हो। इसमें समुद्र का पानी भीतर तक घुसा रहता है और दोनों ओर खड़ी पहाड़ियां होती हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि सामान्य भूकंपों में अनियमित और तीव्र भूकंपीय पैटर्न दिखाई देते हैं, जबकि इस घटना में तरंगों का क्रम बेहद नियमित था। शुरुआती दिनों में वैज्ञानिक यह समझ नहीं पाए कि यह संकेत आखिर किस कारण उत्पन्न हो रहा है। हालांकि यह घटना सितंबर 2023 में हुई थी, लेकिन इसकी वास्तविक वजह और पूरी वैज्ञानिक तस्वीर अप्रैल 2026 में सामने आ सकी।

70 से ज्यादा वैज्ञानिकों के समूह ने सुलझाई गुत्थी

साइंस एंड नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित अध्ययनों तथा अर्थ स्नैप की रिपोर्ट के अनुसार इस रहस्यमयी घटना को समझने के लिए दुनिया भर के 41 संस्थानों से जुड़े 70 से अधिक वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट डाटा, भूकंपीय रिकॉर्ड और उन्नत कंप्यूटर मॉडलिंग का उपयोग किया। वैज्ञानिकों के अनुसार सितंबर 2023 में दुनिया भर के भूकंपीय सेंसरों ने एक असामान्य संकेत दर्ज करना शुरू किया। यह संकेत सामान्य भूकंप जैसा नहीं था। हर 92 सेकंड पर एक समान कंपन रिकॉर्ड हो रहा था और यह क्रम लगातार 9 दिनों तक जारी रहा। इसकी तरंगें अलास्का से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक पृथ्वी की चट्टानों में दर्ज की गईं।

भारत का टॉफी एक्सपोर्ट 12 साल में 166% बढ़ा

वित्त वर्ष 2025-26 में ₹132 करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत से टॉफी का एक्सपोर्ट पिछले 12 वर्षों में 166% बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 (FY26) में 132 करोड़ पर पहुंच गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज यानी 20 मई को सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की है। वित्त वर्ष 2013-14 में देश से टॉफी का कुल एक्सपोर्ट 49.68 करोड़ का था। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा ₹भारत की 'टॉफी टेल' (टॉफी की कहानी) निश्चित रूप से कानों को सुरीली लगेगी! 2013-14 के बाद से टॉफी एक्सपोर्ट में करीब 166% की ग्रोथ दर्ज की गई है। दरअसल, वाणिज्य मंत्री ने यह डेटा तब जारी किया, जब इटली की

प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम नरेंद्र मोदी को 'मेलोडी' टॉफी गिफ्ट करने के लिए सोशल मीडिया पर थैंक्यू कहा।
एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह प्रभाव स्विगी पर ज्यादा देखने को मिल सकता है, क्योंकि स्विगी अभी भी अपने क्विक कॉमर्स बिजनेस को ब्रेक-ईवन (मुनाफे की स्थिति) में लाने के लिए संघर्ष कर रही है। दूसरी तरफ, इटर्नल (जोमैटो) का स्केल काफी बड़ा है और उसके पास विज्ञापनों से होने वाली कमाई का एक मजबूत बेस है।

परिश्रम ही सफलता की कुंजी : मेलोनी

मोदी ने रोम और काशी को इटरनल सिटी कहा, इटली की पीएम को भारत आने का न्योता

रोम, एजेंसी

पीएम मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने बुधवार को रोम में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान दौरान मेलोनी ने हिंदी में कहा कि 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है'। पीएम मोदी ने बताया कि रोम को दुनिया में 'इटरनल सिटी' (कभी न खत्म होने वाला शहर) कहा जाता है। भारत में मेरी लोकसभा सीट काशी को भी इसी तरह जाना जाता है। जब दो सभ्यताएं मिलती हैं, तो बातचीत सिर्फ एजेंडे तक सीमित नहीं रहती। पीएम मोदी को रोम स्थित फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द यूनाइटेड नेशंस (FAO) डिपार्टमेंट ने एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया। यह सम्मान FAO के महानिदेशक क्यू डोंग्यू ने दिया। यह पुरस्कार पीएम मोदी को भारत

में कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा मजबूत करने और ग्रामीण विकास के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि भारत के करोड़ों किसानों, पशुपालकों, मछुआरों और कृषि वैज्ञानिकों का सम्मान है। उन्होंने यह मेडल देश के किसानों को समर्पित किया। मोदी ने कहा कि भारत में खेती सिर्फ काम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। यहां धरती को मां और किसान को धरती पुत्र कहा जाता है। मिलोनी ने कहा कि भारत और इटली मिलकर IMEC यानी इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाने पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत, मिडिल-ईस्ट और यूरोप को जोड़ने वाला बड़ा आर्थिक कॉरिडोर है। इस परियोजना की शुरुआत 2023 में हुई थी। इसके लिए भारत, यूरोपीय संघ, अमेरिका, सऊदी अरब, UAE, फ्रांस, जर्मनी और इटली समेत कई देशों ने एक समझौता साइन किया था।

> मेलोनी ने कहा कि भारत में एक शब्द बहुत खास है 'परिश्रम', जिसका मतलब है मेहनत, लगातार प्रयास और समर्पण। यह शब्द भारत में अक्सर इस्तेमाल किया जाता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी के भाषण की 5 बड़ी बातें

- भारत और इटली के रिश्ते अब और मजबूत होंगे। दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा देने का फैसला किया है।
- इटली डिजाइन और तकनीक के लिए मशहूर है, जबकि भारत अपनी प्रतिभा और सस्ते इनोवेशन के लिए जाना जाता है। दोनों देश मिलकर दुनिया के लिए काम करेंगे।
- भारत और इटली के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और इसे 20 अरब यूरो (2.24 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचाने का टारगेट रखा है। भारत में 400 से ज्यादा इतालवी कंपनियां काम कर रही हैं।
- तकनीक और इनोवेशन भारत-इटली साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत हैं। दोनों देश AI, क्वांटम टेक्नोलॉजी, सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस जैसे क्षेत्रों में साथ काम करेंगे।
- भारत और इटली दोनों मानते हैं कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा है। आतंक की फंडिंग रोकने के लिए दोनों देशों की साझा पहल दुनिया के सामने एक मजबूत उदाहरण है।

तेजी : पेट्रोल-डीजल महंगा होने से डिलीवरी चार्ज बढ़ाएंगी कंपनियां, मार्जिन 10-12% तक घटा

ऑनलाइन फूड और क्विक कॉमर्स डिलीवरी महंगी हो सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म (जैसे ब्लिंकिट, जेप्टो) से सामान मंगाना महंगा हो सकता है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण देश में पेट्रोल और डीजल के दामों में करीब 4 प्रति लीटर यानी 4% तक की बढ़ोतरी हुई है। इससे स्विगी और इटर्नल (जोमैटो की पैरेंट कंपनी) जैसी कंपनियों पर डिलीवरी कॉस्ट का दबाव बढ़ गया है। इलायरा कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्यूल की कीमतें बढ़ने से कंपनियों के मार्जिन पर सीधा असर पड़ रहा है। इस अतिरिक्त खर्च का बोझ कंपनियां ग्राहकों पर डाल सकती हैं।

इसके चलते आपके हर ऑर्डर के लिए लगने वाला डिलीवरी चार्ज या अन्य फीस बढ़ाई जा सकती है। 2023-2026 के बीच जोमैटो, स्विगी पर प्लेटफॉर्म फीस 9 गुना हो गई। जोमैटो ने 20 मार्च को ही अपनी प्लेटफॉर्म फीस 19% यानी 2.40 बढ़ाकर 14.90 (बिना GST) कर दी थी। वहीं, स्विगी ने 24 मार्च से हर ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 17% की बढ़ोतरी की थी। यूजर्स हर ऑर्डर पर 14 रुपए के बजाय अब 17.58 (GST सहित) यानी 3.58

गिग वर्कर्स बढ़ा सकते हैं भुगतान की मांग

ईंधन की कीमतें बढ़ने का सीधा असर उन डिलीवरी पार्टनर्स (गिग वर्कर्स) पर पड़ता है जो अपनी बाइक से खाना या राशन डिलीवर करते हैं। पेट्रोल महंगा होने से उनकी दैनिक बचत कम हो जाती है। ऐसे में डिलीवरी पार्टनर्स कंपनियों से प्रति ऑर्डर मिलने वाले पेआउट (भुगतान) को बढ़ाने की मांग कर सकते हैं। अगर कंपनियां पेआउट नहीं बढ़ाती हैं, तो डिलीवरी पार्टनर्स के बीच असंतोष बढ़ सकता है और सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में इटर्नल 2.7 अरब (270 करोड़) और स्विगी 1.4 अरब (140 करोड़) ऑर्डर्स को हैंडल कर सकती हैं।

सोना ₹392 बढ़कर ₹1.59 लाख पर पहुंचा

इस साल ₹26 हजार महंगा हो चुका, चांदी ₹1494 गिरकर ₹2.66 लाख किलो पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने के दाम में आज यानी 21 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 392 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं चांदी में आज गिरावट है। 1 किलो चांदी की कीमत 1,494 रुपए कम होकर 2.66 लाख रुपए पर आ गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26 हजार रुपए और चांदी 37 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.59 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.67 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, डॉलर की चाल और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती मांग का असर भारतीय सर्राफा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है।लगा-तार बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों और आम खरीदारों की नजर अब सोने-चांदी के बाजार पर बनी हुई है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96